04 - अमेरिका में 'नो किंग्स' आंदोलन का परिणाम

05 - सिनेमा में भी भाईयों ने बिखेरा है जलवा

06 - इंदौर से कटनी जा रही युवती ट्रेन से लापता

07 - रायसेन में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय में विधिक सेवा...

A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 9 अगस्त, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 301, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

रक्षाबंधन पर्व...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदा वाटिका उज्जैन में बहनों से राखी बंधवाई।

सुप्रभात

राखी कोई चीज़ नहीं है
यह अमर प्रेम का धागा है
जिस भाई की बहिन नहीं है
सचमुच बड़ा अभागा है।
बचपन खेल खेल संग बीता
आपस में बड़ा दुलार था
छोटी मोटी नोंक-झोंक थी
लेकिन, अंतर्मन प्यार था।
रक्षाबंधन पर बहना
भूल सभी को जाती है
बस, भाई पर ही वो अपना
रक्षा विश्वास जताती है।
रक्षाबंधन का त्यौहार
अनौखी रंगत लाता है
भाई बहन संग सारे घर में
वो खुशियां फैलाता है।

– ओम प्रकाश वर्मा

भारत ने अमेरिका से...

हथियार-विमानों की खरीद रोकी!

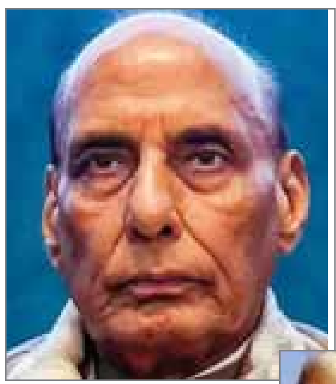

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ विवाद के बीच भारत ने अमेरिका से नए हथियार और विमान खरीद की योजना रोक दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने 3 भारतीय अफसरों के हवाले से यह जानकारी दी है। ट्रम्प के 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद इसे भारत की पहली ठोस प्रतिक्रिया माना जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रक्षा मंत्री आने वाले हफ्तों में डिफेंस डील के लिए अमेरिका जाने वाले थे। अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक भारत अमेरिका से निगरानी विमान, स्ट्राइकर कॉम्बैट व्हीकल्स और जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदने वाला था। टैरिफ के चलते यह सौदा भी रोक दिया गया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने

रक्षा मंत्री का अमेरिका दौरा भी रद्द, सरकार ने रिपोर्ट खारिज की

बताया कि भारत के रक्षा मंत्रालय और पेंटागन ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, एजेंसी ने डिफेंस मिनिस्ट्री के सोर्स से बताया कि ये रिपोर्ट गलत और झूठी हैं। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच डील का प्रोसेस जारी है। अफसरों ने रॉयटर्स को बताया कि इन सौदों को रोकने के लिए अभी लिखित आदेश नहीं हुए हैं। हो सकता है कि टैरिफ विवाद सुलझने के बाद इस पर फैसला लिया जाए। अफसरों के मुताबिक, भारत सरकार बातचीत करती रहेगी।

ब्रिटेन के गुरुद्वारों में खालिस्तान शब्द रखने की अनुमति

चैरिटी आयोग ने कहा-

ये कोई राजनीतिक प्रचार नहीं, इसमें नियमों का उल्लंघन नहीं

जालंधर (एजेंसी)। ब्रिटेन के चैरिटी आयोग ने स्पष्ट किया है कि गुरुद्वारों में खालिस्तान शब्द वाले बोर्ड या बोर्ड रखना देश के चैरिटी नियमों के खिलाफ नहीं है। यह फैसला स्लौ स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे के मामले की विस्तृत जांच के बाद आया है। जहां लगभग 5 दशक

से दो खालिस्तान बोर्ड लगे हुए हैं। यह मामला 2019 में तब उठा था जब एक भारतीय पत्रकार ने गुरुद्वारे के अंदर लगे बड़े खालिस्तान बोर्ड की शिकायत आयोग से की थी। चैरिटी आयोग (ब्रिटेन में धार्मिक स्थलों की निगरानी करता है) ने इस पर जांच शुरू की थी। आयोग के अनुसार किसी राजनीतिक दल या राज्य का प्रचार करना उनके दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। 10 मार्च तक बोर्ड हटाने का अल्टीमेटम दिया था।

खाटूश्याम मंदिर से केवल 1.5 किलोमीटर दूर होगी ट्रेन

सीकर (एजेंसी)। खाटूश्याम (सीकर) में रेलवे कनेक्टिविटी के लिए काम शुरू हो गया है। पिछले साल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। बुधवार को लोकसभा में रेल मंत्री ने बताया कि रींगस–खाटूश्यामजी (17.49 किमी.) नई रेललाइन परियोजना पर करीब 254 करोड़ रुपए खर्च होंगे। साल 2025–26 के लिए 43 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका है। बाबा श्याम की नगरी में बनने वाला रेलवे स्टेशन मंदिर से केवल 1.5 किलोमीटर की दूरी पर होगा। मॉर्डन फैसिलिटी वाले इस स्टेशन पर शेखावाटी संस्कृति की झलक भी दिखेगी। अब प्रोजेक्ट के लिए 115 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तामोट, रायसेन में रक्षाबंधन महोत्सव में हुए शामिल

उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश का परिदृश्य बदला है, भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते हुए 15वें से चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है। मध्यप्रदेश का जैविक कपास, चीन, जापान और वियतनाम से लेकर स्पेन तक एक्सपोर्ट हो रहा है। राज्य सरकार कृषि के साथ-साथ औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश प्रोत्साहित करने के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। दस अगस्त को रायसेन में ही रेल कोच बनाने के लिए कारखाने का भूमिपूजन होने जा रहा है। धार में प्रधानमंत्री श्री मोदी 25 अगस्त को टेक्सटाइल उद्योग के लिए पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन करेंगे। इससे मालवा और आसपास के जनजातीय अंचल के एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में जारी औद्योगिक विकास की गतिविधियां प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वदेशी के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक क्षेत्र तामोट, जिला रायसेन में सागर मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टैक्सटाइल यूनिट का भ्रमण कर यहां टैक्सटाइल प्रोडक्शन का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में सागर ग्रुप की महिला कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधकर पवित्र रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों के बीच जाकर पुष्प वर्षा की और बहनों को उपहार भेंटकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत सरकार की लड़ाई किसानों की मेहनत के लिए है। किसान कपास, सब्जी और फसलें उगाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के किसान, गरीब, मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है, सभी प्रदेशवासी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार बहनों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 1500 रुपए का विशेष तोहफा दिया गया है। रोजगार परक उद्योगों में कार्य करने वाली बहनों को प्रतिमाह 6000 रुपए की वेतन सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश के सभी वर्गों की समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर ग्रुप ने आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार से जोड़ा है। इकाई में काम करने वाले लोगों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था करने पर उन्होंने सागर ग्रुप को बधाई दी। सागर ग्रुप में कुल 8000 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 5000 महिलाकर्मी हैं।

भोपाल में आज फ्री सफर कर सकेंगी महिलाएं

रक्षाबंधन पर नगर निगम ने दिया गिफ्ट

रात 9 बजे तक नहीं लगेगा किराया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रक्षाबंधन पर महिलाएं रात 9 बजे तक बसों में फ्री में सफर कर सकेंगी। 'शहर सरकार' ने बहनों को सिटी बसों में फ्री में घूमने का यह गिफ्ट दिया है। पहले कुल 25 रूट पर 368 सिटी बसें दौड़ती थी। इनमें से ढाई सौ से ज्यादा बसें पिछले एक साल में बंद हो गई। ऐसे में शेष बची 80 बसों में शनिवार को महिलाएं सफर कर सकेंगी।

महापौर मालती राय ने बताया हर साल रक्षाबंधन पर बहनों को भाई को राखी बांधने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर जाना पड़ता है। बहनों को नगर निगम की तरफ से सौगात दी जाती है। इस बार भी यह सौगात दी गई है। बहनों से किराया नहीं लिया जाएगा।

8 रूट पर दौड़ रही बसें–पहले सिटी पहले पूरे शहर को कवर करती थी। इनमें बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत 25 रूट शामिल हैं, लेकिन अभी 8 रूटों पर ही बसें दौड़ रही है। ऐसे में महिलाओं को इन्हीं रूटों पर मुफ्त में सफर करने को मिलेगा।

एक दिन में 50 हजार यात्री करते हैं सफर–भोपाल में जब सभी बसें दौड़ती थीं, तब एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इनमें 40 प्रतिशत तक यानी करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल थीं। वर्तमान में यात्रियों की संख्या करीब 50 हजार है। इनमें से आधी महिला यात्री हैं। किराए के रूप में उन्हें न्यूनतम 7 और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं।

नदी में नहाते समय डूबे चार दोस्त,सागर में पिकनिक मनाने पहुंचे थे 5 युवक

सागर (नप्र)। सागर जिले के सानौधा में रक्षाबंधन से एक दिन पहले चार दोस्त बेबस नदी में नहाते समय डूब गए। 5 युवक रिछावर घाट पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे। चार दोस्त पानी में उतरे थे। घाट में मौजूद लोगों ने उन्हें डूबता देख शोर मचाया, लेकिन तब तक वे गहरे पानी में चले गए। घटना शुक्रवार शाम की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से सर्चिंग शुरू करवाई। वहीं एसडीईआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस, ग्रामीण और एसडीआरएफ की टीमें सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 9 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

लूला-मोदी की एक घंटे बात, पुतिन से डोभाल की मुलाकात

भारत ने ट्रंप को दिखा दिए हैं इरादे, रूस और ब्राजील हैं साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर से मची खलबली के बीच वैश्विक मंच पर भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को और मजबूत कर रहा है। गुरुवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मॉस्को में मुलाकात की।

इसके कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के साथ एक घंटे की फोन पर बातचीत ने साफ कर दिया है कि भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। ट्रंप द्वारा भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के जवाब में भारत न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहा है, बल्कि वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर एक पुख्ता रणनीति भी बना रहा है।

● **रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी को बल-** राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मॉस्को में रूसी अधिकारियों, विशेष रूप से रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और फिर

राष्ट्रपति पुतिन के साथ मुलाकात की। इस दौरान डोभाल ने भारत-रूस के बीच विशेष और दीर्घकालिक रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि की, जो इस महीने के अंत या साल के अंत तक हो सकती है। यह दौरा ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब भारत और रूस रक्षा, ऊर्जा, और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। डोभाल ने रूस के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की बात कही, जिसमें एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की बात होगी।

सिंधिया ने थामा दिग्विजय का हाथ, मंच पर लेकर गए

भोपाल में एक कार्यक्रम में मिले दोनों नेता, सभागार में तालियां गूंज उठीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को एक निजी स्कूल के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की मुलाकात राजनीतिक गलियारे में चर्चा में रही। इस स्कूल के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंधिया थे।

कार्यक्रम में सिंधिया पहुंचे तो दिग्विजय सिंह मंच से नीचे बैठे थे और तब राजनीतिक गिले शिकवे को दरकिनार करते हुए सिंधिया खुद मंच से नीचे आए और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय को लेकर मंच पर गए। सिंधिया की इस पहल का वीडियो अब वायरल हो रहा है।

इसे लेकर कहा जा रहा है कि विरासत का अर्थ केवल संपत्ति नहीं, संस्कारों और अनुभवों का हस्तांतरण भी है। राजनीतिक गलियारे में यह भी बात सामने आई है कि भले विचारधारा अलग हों, सिंधिया दिल से आदर भाव रखते हैं।

पहले झुककर प्रणाम फिर हाथ पकड़कर ले चले- सकारात्मक राजनीति का यह उदाहरण तब देखने को मिला जब भोपाल में स्कूल के लोकार्पण के कार्यक्रम में मंच पर आते ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सामने बैठे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास जाकर स्नेह पूर्वक अभिवादन किया। इसके बाद उनका हाथ थामा और उन्हें मंच पर साथ लेकर आए। इस दौरान पूरे सभागार में तालियां गूंज उठीं।

चलती बस पर पेड़ गिरा, 5 की मौत

अंदर फंसी महिला बोली-हम मर रहे, आप वीडियो बना रहे

बाराबंकी (एजेंसी)। यूपी के बाराबंकी में रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक टीचर और दो ब्लॉक की अधिकारी समेत 4 महिलाएं शामिल हैं। एक की हालत गंभीर है। हादसे से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है,

जिसमें बस में फंसी एक महिला वीडियो बना रहे युवक पर भड़कती नजर आ रही है। महिला ने कहा- हम मर रहे हैं और आप वीडियो बना रहे हैं। अगर आकर पेड़ की डाल हटवाने में मदद करते, तो हम लोग बाहर निकल आते। 60 लोगों से भरी बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। शुक्रवार सुबह 11 बजे हरख चौराहे के पास बस के सामने एक जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में बस पहले बिजली के पोल से टकराई, फिर पेड़ से जा भिड़ी।

भोपाल में आज से निकलेंगी तिरंगा यात्राएं

14 अगस्त को कोलार में सबसे बड़ी यात्रा; स्कूल-कॉलेजों में हुए कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान चल रहा है। शुक्रवार को स्कूलों में देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। वहीं, शनिवार से तिरंगा रैलियां निकलेंगी। सबसे बड़ी यात्रा कोलार से निकलेगी। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की कर्मश्री संस्था यह आयोजन कर रही है। जिसमें 40 हजार से ज्यादा छोटे-बड़े वाहन शामिल होंगे।

अभियान को लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह बैठक भी कर चुके हैं। उन्होंने बताया, यह अभियान तीन चरणों में चल रहा है। प्रथम चरण 8 अगस्त तक जिले में देशभक्ति के वातावरण एवं तिरंगे पर केंद्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, रंगोली, तिरंगा सजावट एवं प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। इस काम को जिला पंचायत सीईओ, डीईओ और नगर निगम अफसर कर रहे हैं। द्वितीय चरण 9 से 12 अगस्त तक जिले में तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा।

तीसरे चरण में सेल्फी अपलोड कर सकते हैं

तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। जिसमें घर एवं वाहनों पर तिरंगे फहराना, तिरंगा के साथ सेल्फी अपलोड करने एवं तिरंगे की दृश्यता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने को कहा है।

जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं सांस्कृतिक परिषद कर रहा कार्यक्रम

अभियान के चलते जिला पुरातत्व, पर्यटन और सांस्कृतिक परिषद जिले में कार्यक्रम कर रहा है। स्कूल और कॉलेजों में तिरंगा एक्टिविटी की जा रही है। परिषद के संयुक्त सचिव संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जन-जन को आजादी के पर्व से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्कूलों में कई कार्यक्रम कर चुके हैं। रक्षाबंधन पर्व पर छात्राओं ने राखियों को तिरंगा की आकृति भी दी।

राहुल का फिर दावा, वोट चुराकर प्रधानमंत्री बने मोदी

● कहा-25 सीट 35 हजार या कम अंतर से जीती बीजेपी

राहुल बोले-ईसी इलेक्ट्रानिक डेटा दे, तो साबित कर दूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार 25 सीट के मार्जिन से प्रधानमंत्री बने हैं। 25 सीट ऐसी हैं, जिन्हें भाजपा ने 35 हजार या कम वोट से जीतीं। अगर हमें इलेक्ट्रानिक डेटा मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि मोदी चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल ने कहा- चुनाव आयोग को पिछले 10 साल की देश की सारी इलेक्ट्रानिक वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी देनी चाहिए। ये सब नहीं देंगे तो क्राइम है। भाजपा को चुनाव चोरी करने दे रहे हैं। पूरे देश को चुनाव आयोग से वोटर्स का डेटा मांगना चाहिए। राहुल गांधी ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित कांग्रेस की वोट अधिकार रैली में ये बात कही। उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी रैली में शामिल हुए। बेंगलुरु पहुंचने से पहले राहुल ने एक्स पोस्ट में

लिखा- वोट चोरी केवल चुनावी घोटाला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र के साथ बड़ा विश्वासघात है। देश के गुनहगार सुन लें, वक्त बदलेगा, सजा जरूर मिलेगी। राहुल ने गुरुवार को भी आरोप लगाया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 फर्जी वोट बनाए गए, जिससे भाजपा को फायदा हुआ। भाजपा-ईसी की मिलीभगत से यह धांधली हुई, जिसने पीएम मोदी को तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया। कर्नाटक के महादेवपुरा में 6.50 लाख वोट हैं। उसमें से 1 लाख 250 वोट चोरी किए गए।

हाईकोर्ट जज को क्रिमिनल केस से हटाने का फैसला वापस

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के बीच बन रही टकराव की स्थिति टल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सीजेआई बीआर गवई के अनुरोध के बाद अपनी उस टिप्पणी को हटा दिया, जिसमें उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज प्रशांत कुमार की आलोचना की थी। सुप्रीम

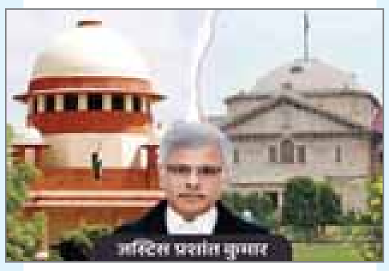

कोर्ट ने यह भी कहा था कि रिटायरमेंट तक जज प्रशांत कुमार को क्रिमिनल मामले न दिए जाएं। इसके विरोध में गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 जजों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ फुल कोर्ट मीटिंग बुलाने की मांग की थी। यह मामला एक सिविल विवाद के मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने से जुड़ा था।

जो भारत में नहीं जन्मा, वोट नहीं डालेगा

● शाह बोले-बांग्लादेश से आकर बिहार में नौकरियां खा जाते हैं, लालू-कांग्रेस उन्हें बचाना चाहते हैं

सीतामढ़ी (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह और नीतिश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतिश कुमार ने पुरानी सरकार को घेरा। अमित शाह ने एसआईआर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी बात रखी। उन्होंने ये भी बताया कि मोदी जी बिहार का दौरा कर रहे हैं। मैं संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है। अमित शाह ने एसआईआर पर लालू-राहुल को घेरते हुए कहा कि जो भारत में जन्मा नहीं, उसे वोट देने का अधिकार नहीं। घुसपैठिए इन लोगों के वोट बैंक हैं। इसलिए इनको (महागठबंधन) परेशानी है। बिहार में चुनाव होने वाला है। मेरे आने से पहले पूरे अखबार भरे पढ़े हैं कि एसआईआर होना चाहिए या नहीं। जनता बताए कि घुसपैठिए को वोटर लिस्ट से निकालना चाहिए या नहीं। लालू बताएं कि किसको बचाना चाहते हो। बांग्लादेश से आकर बिहार के युवाओं की नौकरी खा जाते हैं, लालू- कांग्रेस उनको बचाना चाहती है। जो भारत में जन्मा नहीं है उसे वोट देने का अधिकार भी नहीं है। तेजस्वी यादव मुझसे पूछते हैं कि एनडीए सरकार ने मिथिलांचल के लिए क्या किया। मैं बनिया का बेटा हूं, पाई-पाई का हिसाब रखता हूं। तेजस्वी बताएं उनके माता-पिता के राज में गुंडई और अपहरण के अलावा क्या हुआ। मैं लालू को चैलेंज देता हूं। आएं और पुनौराधाम में ही मिथिलांचल के लिए किए कामों को गिना दें। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए शाह ने कहा- कांग्रेस की सरकार में आतंकी बम फेंककर भाग जाते थे। कोई पूछने वाला नहीं था। हमने पहलगाम हमले का बदला लिया। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा। ये लालू एंड पार्टी इस पर सवाल उठाती है। लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है, ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, ये एनडीए की सरकार है।

गृहमंत्री अमित शाह ने रखी मंदिर की पहली ईंट

मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मंदिर की पहली ईंट रखी। मंदिर को नेपाल के फूलों से सजाया गया है। भूमिपूजन के लिए 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। अयोध्या के हनुमान गढ़ी से ईंट भी पहुंची थी। 50 एकड़ में 882 करोड़ की लागत से मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। पूरे मंदिर का निर्माण खास किस्म के सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से होगा। ये पत्थर राजस्थान से मंगवाए जा रहे हैं। मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी, जो अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है।

मैं अपना सरकारी आवास समय पर खाली कर दूंगा

● सीजेआई गवई ने कहा-सूटेबल घर मिलना मुश्किल पर मैं नियमों से बंधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने गुरुवार को कहा- नवंबर में रिटायरमेंट से पहले उपयुक्त (सूटेबल) घर मिलना मुश्किल है, लेकिन मैं नियमों के तहत तय समयसीमा में अपना सरकारी

आवास खाली कर दूंगा। सीजेआई गवई ने ये बात जस्टिस सुधांशु धूलिया के विदाई कार्यक्रम में कही। सीजेआई गवई ने कहा, मैं जस्टिस धूलिया को सुप्रीम कोर्ट में आने के बाद से जानता हूं। वे बहुत ही गर्मजोश और न्यायपालिका को समर्पित व्यक्ति हैं। उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। धूलिया उन जजों में से एक होंगे जो रिटायरमेंट के बाद अपना सरकारी आवास तुरंत खाली कर देंगे। चीफ जस्टिस गवई ने ये बातें पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के सरकारी आवास खाली करने के 7 दिन बाद कही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक

● यूपी सरकार ने मंदिर देखभाल के लिए बनाया था, केस हाईकोर्ट ट्रांसफर किया

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थायी रोक लगा दी। शुक्रवार को कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को सस्पेंड किया जा रहा है। कोर्ट ने अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर किया है। दरअसल, 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के धन का उपयोग कॉरिडोर विकास के लिए और मंदिर के आसपास की 5 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति दी। शर्त यह थी कि अधिग्रहित भूमि ठाकुरजी के नाम पर पंजीकृत होगी। इसके बाद 26 मई को यूपी सरकार ने अध्यादेश- 2025 जारी किया। इसमें मंदिर की देखभाल के लिए ट्रस्ट (न्यास) बनाने की व्यवस्था की गई। इसमें मंदिर का प्रबंधन और श्रद्धालुओं की

सुविधाओं की जिम्मेदारी श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास द्वारा संभाली जानी थी। इसमें 11 सदस्य मनोनीत होने थे, जबकि 7 सदस्य पदेन हो सकते हैं।

धराली त्रासदी

हाईटेक मशीनें पहुंचने में लगेंगे अभी और 4 दिन

● 80 एकड़ से मलबा हटाने में 3 जेसीबी लगीं, 100-150 लोगों के दबे होने की आशंका

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरकाशी के धराली गांव में आई आपदा का चौथा दिन था। अभी भी 100 से 150 लोग लापता हैं, वे मलबे में दबे हो सकते हैं। पूरी तरह से रेस्क्यू शुरू होने में 4 दिन का समय और लग सकते हैं। धराली के 80 एकड़ में 20 से 50 फीट तक मलबा फैला है। इसे हटाने के लिए सिर्फ 3 जेसीबी मशीनें लगी हैं। मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश के लिए हाईटेक थर्मल सेंसिंग उपकरण और बड़ी मशीनें चाहिए, लेकिन ये सभी 60 किमी दूर भटवाड़ी में रास्ता न खुलने की वजह से 2 दिन से अटका हुआ है। उत्तरकाशी से गंगोत्री

तक एक ही सड़क है, जो धराली से गुजरती है। हर्षिल से धराली की 3 किमी की सड़क 4 जगह पर 100 से 150 मीटर तक खत्म हो चुकी है। भटवाड़ी से हर्षिल तक तीन जगह लैंडस्लाइड और एक पुल टूटा है। ऐसे में धराली तक सड़क खुलने में 3-4 दिन और लग सकते हैं। उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। तेज रफ्तार पानी के साथ आए मलबे ने 34 सेकेंड में धराली गांव को जमींदोज कर दिया था। अब तक 5 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 70 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि सैटेलाइट से हादसे वाली जगह की पहले और बाद की तस्वीर क्लिक की गई।

महू नाके की सड़क पर फिर सज गई फल और सब्जी की दुकानें

इंदौर। महू नाका के पास अवैध रूप से संचालित फल-सब्जियों की दुकानें निगम की दो बड़ी कार्रवाई के बावजूद फिर लग गई हैं। व्यस्त ट्रैफिक वाले इस क्षेत्र में इन दुकानों से फल-सब्जी खरीदने आने वाले ग्राहकों के वाहन सड़क पर खड़े होने से रोज जाम की स्थिति बन रही है। विशेष रूप से शाम के समय जब ट्रैफिक का दबाव अधिक होता है, तब परेशानी और बढ़ जाती है। फिर से लगी इन दुकानों पर निगम की निगाह अब तक नहीं पड़ी है। महू नाका शहर के पश्चिमी क्षेत्र में अत्यंत व्यस्त ट्रैफिक वाला चौराहा है। यहां छह रास्तों से ट्रैफिक का जबरदस्त दबाव रहता है। सुबह 10 से 11.30 और शाम के समय तो ट्रैफिक को नियंत्रित करना भारी मशक्कत वाला काम होता है।

नगर निगम को महू नाका चौराहे के समीप फल-सब्जी बेचने-खरीदने वालों के कारण रोज शाम को होने वाले ट्रैफिक जाम की लगातार शिकायतें मिलने के बाद निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने इसी वर्ष अप्रैल में बड़ी कार्रवाई की थी। अप्रैल में अतिक्रमण के विरुद्ध हुई निगम की बड़ी कार्रवाई के बाद कुछ दिन तो ठीक चलता रहा, लेकिन फल-सब्जी वाले फिर वहां आ जमे और दुकानें सजा ली।

12 ट्रक माल जब्त किया– इस पर निगम का अतिक्रमण विरोधी दस्ता 14 मई को फिर महू नाका चौराहा पहुंचा। सभी दुकानदारों को सख्ती से हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान विरोध करते हुए महिला दुकानदारों ने सब्जियां सड़क पर बिखेर कर जाम लगाने की कोशिश भी की, लेकिन निगम और पुलिस बल की सख्ती के चलते उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। निगम के अमले ने यहां से सब्जियां, ठेले व अन्य सामान सहित करीब 12 ट्रक माल जब्त किया। महू नाका पर बहुत से लोगों ने झोपड़े भी बना लिए थे, जहां लोग रहने लगे थे। उन्हें भी तोडा गया और साथ ही खाली पड़ी जगह के आसपास दीवार बना दी गई।

चेतावनी दरकिनार– मई की कार्रवाई के बाद सभी दुकानदारों को चेतावनी भी दी गई कि यदि अब दुकान लगाने की कोशिश की तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन इस चेतावनी को दरकिनार कर दुकानदारों ने फिर फल–सब्जी का कारोबार शुरू कर दिया है। पहले कार्रवाई के बाद दुकानें इसलिए नहीं लग सकी थी, क्योंकि निगम के कर्मचारी लगातार निगाह रख रहे थे। उनके आने का सिलसिला टूटा तो फिर सब पहले जैसा चलने लगा। वैसे यह समस्या पूरे शहर की है, एक दिन अतिक्रमण हटाया जाता है, अगले कुछ दिनों में फिर फिर दिखाई देने लगता है। निगम के पास शायद इसका स्थायी उपचार है ही नहीं।

निगम की आंख के नीचे

अब अवैध फल-सब्जी वालों का कारोबार बेरोकटोक फिर से शुरू हो गया है। इन दुकानों से फल-सब्जी खरीदने वालों के वाहन रास्ते पर बेतरतीब तरीके से खड़े किये जा रहे हैं, इससे ट्रैफिक में फिर परेशानी शुरू हो गई है। इस बार एक बात और देखने को मिली। फल-सब्जी की अवैध दुकानों के थोड़ा दूर इलाके के निगम जोन का वाहन भी खडा दिखाई दिया, उस पर निगमकर्मी भी सवार थे। इसका क्या अर्थ लगाया जाए!

100 रुपए व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी पर प्रतिबंध लगाया

भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत आदेश

इंदौर। विधिक प्रावधानों एवं शासकीय निर्देशों का पालन कराने के लिए इंदौर जिले की राजस्व सीमा के अंतर्गत 100 रुपए व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी किए जाने से जन-सामान्य को उत्पन्न होने वाली परेशानियों की रोकथाम एवं अवांछनीय गतिविधियों के निवारण के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163(1)(2) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

आदेश के अनुसार इंदौर जिले में 100 रुपए व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी किये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। यदि किसी नोटरी द्वारा ऐसा कृत्य किया जाता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्यवाही करने के साथ ही नोटरी लाइसेंस को निरस्त करने की कार्यवाही की अनुशंसा की जाएगी तथा अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी। सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक, जिला पंजीयक, वरिष्ठ उप पंजीयक, उप पंजीयक, जिला इन्दौर अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दंडाधिकारी, पुलिस के थाना प्रभारी, पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उक्त आदेश का पालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। जो भी व्यक्ति अथवा संगठन उक्त आदेश का उल्लंघन करेगा, उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के दंडात्मक प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश दिनांक 07 अगस्त 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा।

प्रायः यह देखने में आता है कि कुछ लोगों द्वारा अचल सम्पत्ति को रजिस्ट्री के आधार पर क्रय-विक्रय न करते हुए नोटरी के आधार पर क्रय-विक्रय कर लिया जाता है। इस प्रकार के छल-कपट में भोली-भाली जनता, जिन्हें नियम कानूनों का ज्ञान नहीं है फंस जाते है, धोखाधड़ी का शिकार होते है तथा बाद में परेशानी उठाते है। इस प्रकार के नोटरी के आधार पर पंजीकृत दस्तावेजों का कोई कानून अस्तित्व नहीं होने से अनावश्यक कठिनाइयां पैदा होती है।

कई बार देखने में आता है कि व्यक्ति अपनी जीवन की पूरी कमाई या कर्ज आदि लेकर अचल सम्पत्ति क्रय करते हैं तथा इसकी विधिवत रजिस्ट्री न करवाते हुए पैसे बचाने के लालच में नोटरी के आधार पर अचल सम्पत्ति क्रय कर लेते है। इससे एक तरफ शासन को राजस्व की हानि होती है, दूसरी ओर इस प्रकार के दस्तावेजों का कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं होने से क्रेता का कोई स्वामित्व भी निर्धारित नहीं होता। साथ में इससे अवैध कॉलोनियों को बढ़ावा मिलता है, जहां किसी भी प्रकार की अधोसंरचना न होने के कारण जन-आक्रोश की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही स्वामित्व संबंधी कानूनी विवाद बढ़ने के कारण कानून एवं व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की आशंकाएं बनी रहती है।

तकनीकी समस्या बताकर लिया एटीएम कार्ड

इंदौर। एटीएम पर गए रिटायर्ड शिक्षक का कार्ड बदमाश ने तकनीकी समस्या बताकर बदल लिया। बाद में कार्डधारक के खाते से 70 हजार रुपए निकाल लिए। विजयनगर पुलिस को मयंक अपार्टमेंट निवासी पीड़ित बाबूलाल यादव ने बताया कि वह मंगलवार को घर के पास स्थित सेन्ट्रल बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने गए थे। जब वे पैसे निकालने की प्रोसेस कर रहे थे, तब वहां अज्ञात युवक खड़ा था। उक्त युवक ने मुझे पिन डालते देख लिया था। कुछ देर बाद मशीन में तकनीकी समस्या (पिन एक्सेप्ट न होने) का बहाना बनाकर कार्ड निकाल लिया। फिर बड़ी चतुराई से मुझे दूसरा एटीएम कार्ड पकड़ा दिया, जो किसी गोपाल नाम के व्यक्ति का निकला। एटीएम के बाहर एक युवक खड़ा था, जो अंदर खड़े युवक के साथ चला गया। जब मैं घर गया तो मोबाइल पर दो बार 25-25 हजार और एक बार 10 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन भोपाल में आदिल अली की सेल मशीन के माध्यम से किए जाने का मैसेज आया। इसके बाद मुझे ठगी का पता चला। मामले में पुलिस ने एटीएम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है।

इंडिया–पाक मैच का विरोध करने पर धमकी

इंदौर। अगले माह 14 सितंबर को भारत-पाक के बीच एशिया कप क्रिकेट मैच होगा। मैच का विरोध करने पर में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल एवं सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी को धमकी मिली। धमकी भरा कॉल अनजान नंबर से आया था। मामले में क्राइम ब्रांच को लिखित आवेदन दिया है। फरियादी ने बताया कि पाक की धरती से बार-बार भारत पर आतंकी हमले किए जाते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि यह मैच रद्द किया जाए, अन्यथा वे 14 सितंबर को आत्मदाह करने को बाध्य होंगे। विरोध के चलते कांग्रेस नेता को 4 और 5 अगस्त को धमकी दी। साथ ही 26 माता बहनों के परिवार जनों को निशाना बनाते हुए अभद्र टिप्पणी कर आग लगाने और पाक का नाम दोबारा नहीं लेने की धमकी की पोस्ट की। नेताओं ने प्रशासन से मांग की है कि धमकी देने वाले पर उचित कार्रवाई की जाए।

लापता हुई 5 साल की बच्ची को ढूंढ निकाला

इंदौर। ऑपरेशन मुस्कान के तहत हीरानगर पुलिस ने खेलते-खेलते घर से लापता हुई पांच साल की मासूम बच्ची को सकुशल ढूंढ निकाला। फरियादी प्रमोद (परिवर्तित नाम) ने बताया कि मेरी बेटी गुरुवार को दोपहर में घर से बाहर खेल रही थी। जब काफी देर तक वह घर में नहीं आई तो बाहर जाकर देखा। बच्ची नजर आई। आसपास ढूंढने पर जब बच्ची नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए अलग-अलग जगह टीम भेजी। टीम ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर आधा किलोमीटर दूर से बच्ची को ढूंढ लिया। बच्ची मिलने पर परिजनों ने पुलिस की प्रशंसा की।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रही कार जब्त

इंदौर। पेट्रोल पंपों पर हेलमेट अनिवार्य होने के बाद ट्रैफिक पुलिस वाहनों की सघन चेकिंग अभियान पर जोर दे रही है। सहायक पुलिस आयुक्त मनोज कुमार खत्री ने बताया कि चेकिंग के दौरान कई वाहन बिना नंबर, रजिस्ट्रेशन, बीमा के संचालित होना पाए जाते हैं। इसी क्रम में यातायात पुलिस ने देवास नाका पर अभियान चलाया। यहां से कार क्रमांक एमपी-09-डीएफ-7875 को पकड़ा। जांच करने पर पता चला कि उसके आईटीएमएस (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) से 12 चालान बने हैं। पुलिस ने तत्काल कार मालिक से 7 चालान कोर्ट में जमा कराए। शेष 5 चालान की लॉगिन आईडी पासवर्ड नहीं होने से खुल नहीं सके। जल्द ही इन चालानों को भी जमा कराया जाएगा। कार का रजिस्ट्रेशन निरस्त हो चुका था, लेकिन चालक फिर भी उसे चला रहा था। उल्लेखनीय है कि आरटीओ, ऐसे वाहन जिसमें आईटीएमएस द्वारा यातायात नियम का उल्लंघन कई बार करने एवं चालान का भुगतान नहीं करने पर रजिस्ट्रेशन निलंबित कर रहा है।

स्पा संचालक और रिसेप्शनिस्ट पर केस दर्ज

इंदौर। पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद भी पॉश कालोनी में संचालित स्पा के कर्मचारियों की जानकारी संबंधित थाने पर नहीं दी गई। शिकायत की जांच के बाद तिलक नगर पुलिस ने संचालक और रिसेप्शनिस्ट पर केस दर्ज कर लिया है। थाने के एएसआई संजय चौहान को सूचना मिली कि स्कीम नंबर 94 मेहरा मार्बल बिल्डिंग पिपल्याहाना सर्विस रोड पर द डॉलफिन सैलून एंड स्पा सेंटर हैं। यहां कुछ लड़के काम करते हैं,, जिनकी जानकारी नहीं दी गई है। सूचना पर पुलिस स्पा सेंटर पहुंची और काम करने वाले युवाओं से नाम पता पूछा। युवकों ने अपना नाम देव, अजय अजनार बताए। संचालक का नाम कृष्णा पिता नानक चंद कश्यप और रिसेप्शनिस्ट अजय पिता जगदीश सैनी निवासी कुलकर्णी भट्टा माली मोहल्ला बताया। दोनों से स्पा संचालित करने के दस्तावेज मांगे। इस पर उनके द्वारा गुमास्ता लाइसेंस दिखा गया, लेकिन गुमास्ता शर्तों का पालन नहीं किया और कर्मचारियों की जानकारी नहीं देना बताया। दोनों पर केस दर्ज कर लिया है।

बच्चा चुराने, बेचने वाली गैंग का पदार्फाश 6 महिलाएं, 3 पुरुष पुलिस की गिरफ्त में

जांच में खुलासा हुआ, पकड़ी गई महिलाओं के संबंध लुटेरी दुल्हन गैंग से

इंदौर। बच्चा चुराकर बेचने वाली गैंग को रावजी बाजार पुलिस ने पदार्फाश करते हुए 6 महिलाएं और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया है। गैंग के सदस्य केयर सेंटर चलाने की आड़ में जरूरतमंद लोगों से संपर्क कर इस गोरखधंधे को अंजाम देती थी। इस गैंग में 11 सदस्य है। जिनमें छह महिलाएं और पांच पुरुष है। अब पुलिस पता लगा रही है कि यह गैंग कहां से बच्चे लेकर आती थी और कितने बच्चे बेच चुकी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रितेश व्यास आजाद नगर का रहने वाला है। वह ऑटो पार्ट्स की दुकान में काम करता है। लगभग छह महीने पहले उसकी मुलाकात प्रमिला पति अविनाश साहू निवासी मयूर नगर और वंदना पति राजू मकवाना निवासी टॉवर चौराहा से मूसाखेड़ी चौराहे पर हुई थी। दोनों ने खुद को बुजुर्गों के लिए केयर सेंटर चलाने वाली बताया था। इसके बाद तीनों की कई बार मुलाकात हुई।

बच्चा गोद लेने के बहाने डील– प्रमिला और वंदना ने रितेश को बताया था कि वे निस्संतान लोगों की मदद और उनको बच्चे दिलाने का काम भी करती हैं। इस पर रितेश को शक हुआ। रितेश को कुछ लोगों से जानकारी मिली कि वे पहले हीरानगर थाना क्षेत्र में बच्चा बेचने के मामले में जेल जा चुकी हैं। रितेश ने इस मामले की जानकारी अपने दोस्त को दी और दोनों ने मिलकर पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बच्चा गोद लेने के बहाने डील की और आरोपियों को 4 अगस्त को अग्रसेन चौराहे पर मिलने बुलाया। यहां प्रमिला और वंदना ने रितेश से राजू, प्रिया और बच्चे की मां सोनू बेन से परिचय कराया। सोनू की गोद में डेढ़ माह का बच्चा था। बातचीत के दौरान प्रमिला और वंदना ने कहा कि सोनू की हालत ठीक नहीं है, इसलिए वह बच्चा देना चाहती है। इसी बीच रितेश ने पुलिस को बुला लिया।

10 लाख में डील, बताया 4 लाख– अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रमिला और वंदना ने बच्चे के बदले रितेश से 10 लाख रुपए की डील की थी, लेकिन सोनू को सिर्फ 4 लाख रुपए देने की बात कही गई थी। आर्थिक रूप से कमजोर सोनू इस बात के लिए राजी हो गई थी। जानकारी के अनुसार सोनू मूलतः गुजरात की रहने वाली है। साल 2022 में उसके पहले पति ने उसे छोड़ दिया था। इसके बाद वह उज्जैन आ गई थी। यहां एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाया और फिर धोखा देकर छोड़ गया। सोनू को पहले पति से एक बेटी है। गर्भवती होने के दौरान उसकी मुलाकात प्रमिला और वंदना से हुई। दोनों ने उसे आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया और डिलीवरी का खर्च भी उठाया। इसके बाद बेटे को पालने में असमर्थता जताने पर उन्होंने उसे बच्चा बेचने के लिए राजी कर लिया।

लुटेरी दुल्हन गैंग से भी जुड़ी– पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पकड़ी गई महिलाओं के संबंध लुटेरी दुल्हन गैंग से भी हैं। पुलिस के अनुसार इन महिलाओं ने शादी का झांसा देकर झालावाड़ और नामली के दो युवकों से ठगी की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने सबसे पहले प्रमिला साहू और वंदना सक्सेना को पकड़ा। ये दोनों नर्सिंग सेंटर चलाती हैं। पूछताछ में दोनों ने पूजा वर्मा का नाम लिया, जो घरों में झाड़ू-पोंछा का काम करती है। पूजा से पूछताछ में नीलम वर्मा का नाम सामने आया, जो विजय नगर स्थित आईवीएफ सेंटर में काम करती है। नीलम ने संतोष शर्मा से संपर्क कर कहा था कि यदि बच्चा हो तो बताना।

मैरिज ब्यूरो चलाती

जांच आगे बढ़ी तो पुलिस को नीतू शुक्ला के बारे में जानकारी मिली, जो एक मैरिज ब्यूरो चलाती है। नीलम ने ही प्रिया माहेश्वरी से संपर्क किया था। प्रिया के खिलाफ पहले से ही शादी का झांसा देकर एक लाख रुपए ठगने की शिकायत दर्ज है। प्रिया की गैंग में 3-4 महिलाएं शामिल हैं, जो शादी के नाम पर लोगों को ठगती थीं। प्रिया ने दाहोद निवासी तलाकशुदा महिला सोनू वेद से संपर्क किया, जिसका दो माह का बच्चा था। बच्चे के सौदे की बात सामने आने के बाद इंदौर पुलिस ने ह्यूमन ट्रैफिकिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रिया फरार है, जिसकी तलाश में टीम भेजी गई है।मामले में तीन पुरुष संतोष शर्मा, विजय मोगकार निवासी उज्जैन तथा वीरेश जाटव निवासी मैनपुरी को गिरफ्तार किया है।

महापौर ने रक्षाबंधन पर सफाई मित्रों व समूह की बहनों संग साझा की मिठास

सम्मान, तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के संदेश के साथ मनाया आयोजन

इंदौर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा विश्राम बाग में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर की सफाई मित्र बहनों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के साथ रक्षा सूत्र बंधवाकर पर्व का शुभारंभ किया। यह आयोजन नगर निगम द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया गया, जो सामाजिक सौहार्द्र और सम्मान की मिसाल बन गया है। महापौर का पुष्पमालाओं व तिलक से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मिठाइयों, संवाद और ढोल-ढमाके के साथ रक्षाबंधन को सेवा और भाईचारे के प्रतीक रूप में मनाया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा, पार्षद योगेश गेंदर और कंचन गिदवानी भी उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि रक्षाबंधन केवल पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि यह सुरक्षा, समर्पण और सेवा का प्रतीक है। सफाई मित्र और स्व-सहायता समूह की महिलाएं शहर को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ सुंदर राखियां बनाकर भी समाज को सशक्त बना रही हैं।

नगर निगम ने इन्हीं बहनों से राखियां क्रय कर उपहार स्वरूप वितरित कीं। पर्व को स्वतंत्रता दिवस से जोड़ते हुए महापौर ने कहा कि जैसे बहन भाई की रक्षा की कामना करती है, वैसे ही हमारे सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह पर्व राष्ट्रभक्ति का भी प्रतीक है। इंदौर के स्वच्छता में देश में लगातार आठवीं बार प्रथम आने पर उन्होंने नागरिकों और सफाई मित्रों का आभार जताया और रक्षाबंधन तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर के निर्देश पर प्रशिक्षण सैंपलिंग कार्रवाई लगातार जारी

फूड सेफ्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम और मिलावटी पदार्थों पर कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह की बच्चों के स्वास्थ्य और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के प्रति विशेष संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा आज दोहरी कार्यवाही की गई। एक ओर जहां स्कूली कर्मचारियों के लिए 'फोस्टक' का आयोजन किया गया। दूसरी ओर शहर के विभिन्न स्थानों से मिलावटी खाद्य पदार्थों की आशंका पर नमूने लेकर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। गत 4 जुलाई 2025 को आयोजित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा कैंटीन संचालन से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए। इसी क्रम में 7 अगस्त को आयोजित प्रशिक्षण सत्र में शहर के 12 विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें कुल 40 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। इस सत्र में खाद्य स्वच्छता, तापमान नियंत्रण, भंडारण व्यवस्था, व्यक्तिगत स्वच्छता और सुरक्षित खाद्य प्रथाओं से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

सैंपलिंग कार्रवाई– इसी दिन शहर में मिलावट की आशंका पर खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए। कार्रवाई में श्री शिव दूध डेयरी एंड स्वीट्स, भंवरकुआं, इंदौर से मीठा मावा, मिल्क केक, मावा एवं दूध के कुल 4 नमूने लिए गए। इसी तरह यादव श्री स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट, धीरज नगर, MR-9 रिंग रोड से मावा रोल एवं बेसन लड्डू के नमूने, गुरुकृपा क्रीमरी एंड डेयरी, साउथ राजमोहल्ला तथा सुहाना डेयरी, धार रोड से घी के नमूने लिये गये। प्रतिष्ठानों को परिसर की स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य रंगों का न्यूनतम उपयोग करने, गुणवत्ता युक्त कच्चे माल के उपयोग, फूड हैंडलर्स की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने, वैध खाद्य लाइसेंस रखने तथा पेस्ट कंट्रोल जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं के पालन हेतु निर्देशित किया गया।

170 लोगों को मिले उनके गुम हुए मोबाइल, चेहरे पर लौट आई खुशी

सिटीजन कॉप एप्लीकेशन में आई थी इन सभी की शिकायत

इंदौर। सिटीजन कॉप एप्लीकेशन में मोबाइल गुम होने की शिकायत करने वाले तब खुश हो गए, जब उन्हें पुलिस ने कॉल कर बुलाया। कॉल आने पर कंट्रोल रूम पहुंचे तो गुम हुए 170 मोबाइल थमा दिए। इन मोबाइलों की कीमत 40 लाख रुपए हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान से पुलिस ने बरामद किए। इस साल के सात महीनों में अब तक 560 लोग मोबाइल वापस हासिल कर चुके हैं। बरामद मोबाइलों में 4 आईफोन, 11 वन प्लस, 11 सेमसंग, 27 ओप्पो, 49 वीवो, 22 रेडमी, 27 रियल मी, 1 टेक्नो, 2 लावा, 6 मोटोरोला, 3 इनफिक्स, 1 बेनको, 2 आई क्यू, 4 पोको कंपनियों के हैं। क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित की जा रही सिटीजन कॉप एप्लीकेशन वास्तव में एक फोन एप्लीकेशन है जिसे आमजन द्वारा गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप्लीकेशन में प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों के संपर्क नम्बर के अलावा अन्य महत्वपूर्ण फीचर जैसे किसी घटना के संबंध में सीधे ऑनलाइन शिकायत अथवा पुलिस तक सूचना पहुंचाये जाने के लिए रिपोर्ट एन इंस्टेंट, किसी वस्तु चोरी अथवा गुम होने पर पुलिस में ऑनलाइन कंप्लेंट दर्ज कराने की सुविधा है।

रिपोर्ट लॉस्ट आर्टिकल में मोबाइल अथवा अन्य वस्तु के गुमने पर सीधे इस फीचर के माध्यम से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई जा सकती है, जिसमें आवेदक को ऑनलाइन ही शिकायत क्रमांक सहित रिपोर्ट से संबंधित रसीद प्राप्त होती है, जिसका उपयोग वह मोबाइल में गुम हुई सिम बंद कराने अथवा नई सिम लेने के लिए कर सकता है।

आपराधिक सूचना भी दें

सिटीजन कॉप एंड्रॉयड फोन एप्लीकेशन का उपयोग कर आपराधिक गतिविधियों की सूचनाएं तथा इससे संबंधित शिकायतें भी घर बैठे सीधे ऑनलाइन पद्धति के माध्यम से पुलिस तक पहुंचाएं। इससे न केवल आपके समय की बचत होगी, बल्कि आपकी शिकायतों अथवा सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए पुलिस को मदद मिलेगी।

टायर फटे ट्रक में घुसी तूफान गाड़ी, एक की मौत

इंदौर। सीहोर के समीप कुबरेश्वर धाम से इंदौर लौट रहे यात्रियों की गाड़ी दूसरे वाहन से टकरा गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 11 यात्री घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। कनाड़िया पुलिस के अनुसार घटना 6-7 की दरमियानी रात 3.30 से 3.45 बजे के बीच की है। बिचौली मदार्ना फ्लायओवर पर कुबरेश्वर धाम से दर्शन कर आ रहे यात्रियों की तूफान गाड़ी क्रमांक एमपी-10-बीए-3868 खड़े ट्रक क्रमांक एमएच-18-बीजी-0053 से टकरा गई। ट्रक के दोनों टायर फटे हुए थे। घटना में मंटू पिता मुन्नालाल वर्मा निवासी इंदिरा नगर खरगोन की मौत हो गई। वह खरगोन के पीजी कॉलेज से बीकॉम कर रहा था। पढ़ाई के अतिरिक्त पार्ट टाइम में सब्जी का ठेला लगाता था।

सभी घायल खरगोन के– घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल कनाड़िया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 की मदद से एमवाय भेजा गया। सभी लोग मूलत खरगोन के निवासी हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को सुरक्षित खड़ा कराकर बायपास से ट्रैफिक सुचारू रूप से चालू कराया गया। वहीं ट्रक को जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

इनकी आई हादसे में चोट– हादसे में कीर्ति पति संतोष उम्र 35 साल निवासी मोतीपुरा, संदीप पिता अमर सिंह उम्र 34 साल निवासी जैतपुर, गौरव पिता बद्रीलाल उम्र 45 साल निवासी इंदिरा नगर, संतोष पिता मोतीलाल उम्र 39 साल निवासी मोतीपुरा, मोहन पिता सखाराम उम्र 58 साल निवासी मोतीपुरा, वासु बाई पति आनंद राम उम्र 60 साल निवासी संजय नगर, विमलाबाई पति शंभू सिंह उम्र 60 साल निवासी इंदिरा नगर, मनु वर्मा पति कक्का उम्र 45 साल निवासी मोतीपुरा, विमला बाई पति सुरेश उम्र 40 साल निवासी मोतीपुरा, भगवती बाई पति बंसीलाल उम्र 40 साल निवासी मोतीपुरा तथा कंचन पति कर्मा उम्र 42 साल निवासी मोतीपुरा को चोट आई है।

संपादकीय

राहुल का एटम बम !

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरूवार को भाजपा द्वारा वोट चोरी कर चुनाव जीतने तथा इसके लिए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने का जो दांव चला है, वो कितना कारगर होगा, यह कहना कठिन है। लेकिन राहुल और उनकी सहयोगी विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाने में जरूर कुछ कामयाब हो सकती है। राहुल गांधी ने प्रेजेंटेशन देकर देश को यह समझाने की कोशिश की कि चुनाव आयोग और भाजपा मिले हुए हैं। आयोग भाजपा के एजेंट की भूमिका ज्यादा निभा रहा है। यह कैसे संभव है कि जहां हम लोकसभा चुनाव में जीते, विधानसभा चुनाव में हार गए। लेकिन अब हम ऐसा नहीं होने देंगे और जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उन्हें सत्ता में आने के बाद सजा जरूर देंगे। राहुल ने कुछ उदाहरण देकर यह बताया कि कहां कैसे मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से उड़ा दिए गए तो कहां कुछ नाम जोड़ दिए गए। उन्होंने आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर को पूर्ण फर्जीवाड़ा और राजनीतिक नीयत से चलाया जाने वाला अभियान बताते हुए चेताया कि आज देश में लोकतंत्र खतरे में है। राहुल ने यहां तक कहा कि सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला। राहुल ने यह भी कहा कि भारत का इलेक्शन सिस्टम अब मर चुका है। उधर इन आरोपों को बाद आयोग ने राहुल गांधी से कहा कि वो बाकायदा शपथ पत्र देकर साबित करें कि उनके द्वारा लगाए आरोप सत्य और प्रामाणिक है या फिर इन आरोपों के लिए माफी मांगें। लेकिन राहुल गांधी आयोग की इस बात को मानने से इंकार करते हुए कह रहे हैं कि उन्होंने जो कहा वह जनता के सामने सार्वजनिक रूप से कहा है। इसलिए शपथ पत्र देने का सवाल ही नहीं है। जहां तक माफी मांगने की बात है तो वो पहले भी कई बार अपने बयानो के लिए कोर्ट में माफी मांग चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि कर्नाटक के बंगलूरू मध्य लोकसभा क्षेत्र के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए 1,00,250 नकली वोट बनाए गए। राहुल के प्रेजेटेशन को पूरे देश ने देखा और अब इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्य क्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले चुनाव आयोग जबाव देता था, तो वो जवाब देने की बजाए बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है। राहुल गांधी के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि राहुल की भाषा 'अलोकतांत्रिक और अशोभनीय' है। उन्होंने कहा कि अगर वे बम धमाका करेंगे, तो हम संविधान को बचाएंगे। इन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों से हटकर से देखें तो राहुल ने चुनाव आयोग और सरकार को एक साथ घेरकर बड़ी राजनीतिक हलचल तो पैदा कर दी है। चुनाव आयोग उनके आरोपों का जवाब देता है या नहीं या फिर खारिज करता है, यह देखने की बात है। लेकिन इतना तय है कि विपक्ष बिहार में एसआईआर के मुद्दे को विधानसभा चुनाव तक खींचना चाहता है। राहुल गांधी की यह मुहिम उसी का हिस्सा है और सुनियोजित रणनीति है। मसलन अगर कांग्रेस और विपक्षी महागठबंधन किसी राज्य में चुनाव जीतता है तो कहा जाए कि भाजपा और चुनाव आयोग द्वारा उसे हराने की कोशिशों के बाद हम चुनाव जीते और यदि हारता है तो यह कहा जाएगा कि हमने तो पहले ही कहा था कि हमे हराने का षड्यंत्र किया गया था। लेकिन राहुल अगर आरोप सिद्ध नहीं कर पाए तो यह एटम बम फुस्स हो सकता है।

अमेरिका में 'नो किंग्स' आंदोलन का परिणाम

नजरिया

रमाकांत नाथ

लेखक ओडिशा के वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ट्रम्प द्वारा विश्व व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करने और 'व्यापार कर' (टैरिफ) का भय दिखाकर अमेरिका को पुनर्प्रतिष्ठित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, उससे विश्व में आर्थिक असमानता बढ़ रही है और विश्व अर्थव्यवस्था में एक और मंदी का आभास हो रहा है। अमेरिका में घरेलू उथल-पुथल, ट्रम्प की आर्थिक और विदेश नीतियों में समन्वय का अभाव और 'अमेरिका को फिर से महान' बनाकर स्वयं को स्थापित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं, जैसा कि अमेरिकी जनता के 'नो किंग्स' आंदोलन की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ अमेरिका में ही आंदोलन तेज हो रहा है, हालांकि उनके दूसरे कार्यकाल को अभी केवल सात महीने ही हुए हैं। 14 जून 2025 को हुआ 'नो किंग्स' प्रदर्शन, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'नो डिक्टेटर' या 'नो टायरेंट्स' विरोध के रूप में जाना जाता है, प्रदर्शनों की एक लंबी श्रृंखला थी। बडे पैमाने पर ट्रम्प की नीतियों और उनकी कार्रवाइयों के खिलाफ, जिसमें उनकी कथित फासीवादी प्रवृत्ति और लोकतांत्रिक पतन शामिल है, यह विरोध हुआ था। 'नो किंग्स' प्रदर्शन अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ परेड और ट्रम्प के 79वें जन्मदिन पर हुआ था। आयोजकों के मुताबिक फिलाडेल्फिया में प्रमुख कार्यक्रम सहित 2100 से अधिक शहरों और कस्बों में 50 लाख से अधिक लोगों के अलावा 20 अन्य देशों में यह आंदोलन किया गया। ट्रम्प के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन ने उनकी योग्यता, पारदर्शिता और कामकाज पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) के नारे के साथ सत्ता में आए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब अमेरिका और उसके करोड़ों नागरिकों के लिए कई परेशानियों का सबब बन गए हैं। सत्ता संभालने के कुछ ही दिनों में ट्रम्प ने दुनिया में शांति स्थापित करने, गाजा में फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था, लेकिन दुनिया में शांति स्थापित नहीं हो पाई, उलटे कई देशों के बीच नए युद्ध शुरू हो गए।

ट्रम्प द्वारा विश्व व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करने और 'व्यापार कर' (टैरिफ) का भय दिखाकर अमेरिका को पुनर्प्रतिष्ठित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, उससे विश्व में आर्थिक असमानता बढ़ रही है और विश्व अर्थव्यवस्था में एक और मंदी का आभास हो रहा है। अमेरिका में घरेलू उथल-पुथल, ट्रम्प की आर्थिक और विदेश नीतियों में समन्वय का अभाव और 'अमेरिका को फिर से महान' बनाकर स्वयं को स्थापित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं, जैसा कि अमेरिकी जनता के 'नो किंग्स' आंदोलन की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन वर्षों से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का प्रयास किया था। यूक्रेन को अमेरिकी हथियार और वित्तीय सहायता बंद करने, रूस से बातचीत करने और कुछ दिनों का युद्ध-विराम करवाने के बाद भी जब रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं रुका, तो ट्रम्प ने फिर से यूक्रेन को अमेरिकी हथियार और वित्तीय सहायता देना शुरू कर दिया, जो एक दोहरी नीति बन गई। अब जब अमेरिका के लिए रूस को किसी भी तरह से काबू में रखना संभव नहीं है, तो रूस-यूक्रेन युद्ध जारी रखने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचता। ईरान को बारह दिन की मोहलत देने के दो दिन बाद ही उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करना अमेरिका को महंगा पड़ गया है। अमेरिका न तो ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोक पा रहा है, न ही उस पर प्रतिबंध लगा पा रहा है और न ही उस पर दोबारा हमला कर पा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस तरह की बयानबाजी पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। कहा जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान और इजरायल-ईरान के बीच शुरू हुए युद्धों को रोक दिया था, लेकिन इन देशों के बीच आपसी रिश्ते बिल्कुल भी अच्छे नहीं हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि जो युद्ध-विराम हुआ है, वह कब तक लागू रहेगा। इसके बाद इजराइल-सीरिया के बीच फिर से शुरु हुए युद्ध में राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्ध-विराम घोषित कर दिया। इसी तरह वे थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्ध रोकने के लिए फतवा जारी कर रहे हैं।

दुनिया में जहां भी युद्ध और गृहयुद्ध की स्थिति है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प वहां घुसकर और आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी देकर शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं; लेकिन ट्रम्प के इन प्रयासों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। 'नोबेल शांति पुरस्कार' की उम्मीद में ट्रम्प ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं और पूर्व राष्ट्रपति बराक हुसैन ओबामा की तरह यह पुरस्कार जीतकर खुद को दुनिया का रक्षक और शांति का अग्रदूत कहलाने को आतुर हैं।

गाजा में अमेरिका द्वारा प्रायोजित नरसंहार के लिए अमेरिका मुख्य रूप से जिम्मेदार है, जिसमें 80,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और वहां जीवन असंभव हो गया है। अमेरिका इजरायल के माध्यम से आतंकवाद और दमन के जरिए पूरी दुनिया में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। कोई नहीं कह सकता कि एशिया, मध्य-पूर्व, यूरोप आदि में क्षेत्रीय युद्धों का माहौल कब विश्वयुद्ध में बदल जाएगा। ऐसे में अमेरिका की घरेलू समस्याएं काफी बढ़ गई हैं और अमेरिकी कहने लगे हैं कि इन सभी समस्याओं के लिए डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार और प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार है। ट्रम्प के विरोध में हुए आंदोलन को 'नो किंग्स' नाम दिया गया है जिसका मतलब है कि अमेरिकियों को किसी राजा की ज़रूरत नहीं है; वे किसी को राजा के रूप में नहीं देखना चाहते। आमतौर पर कहा जाता है कि 'नो किंग्स' आंदोलन के पीछे ट्रम्प और उनकी 'रिपब्लिकन पार्टी' के खिलाफ अमेरिका के आम लोगों की आवाज है। यह आवाज जो आज अमेरिका में सुनाई दे रही है, एक दिन दुनिया के दूसरे देशों में भी सुनाई देगी। जहाँ भी तानाशाहों ने सत्ता हथियाकर खुद को राजा के रूप में स्थापित किया है, वहाँ भी 'नो किंग्स' आंदोलन होगा।

अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 'नो किंग्स' आंदोलन शुरू हो चुका है, जिसमें अमेरिका समेत कनाडा, जापान, मैक्सिको और यूरोप के 20 देश, जिनमें गुयाना, उत्तरी मारियाना, आइसलैंड,प्यूर्टोरिको, वर्जिन द्वीप समूह शामिल हैं। यहां शुरू हुए 'नो किंग्स' आंदोलन से यह संदेश जाता है कि दुनिया में भय का माहौल नहीं होना चाहिए, दुनिया में तानाशाही की कोई ज़रूरत नहीं है, राजतंत्र की कोई ज़रूरत नहीं है। अमेरिकी जनता का यह आंदोलन स्पष्ट रूप से घोषणा कर रहा है कि 'हम निरंकुशता को अस्वीकार करते हैं, हम भय को अस्वीकार करते हैं और हम अत्याचारियों को अस्वीकार करते हैं।' (सप्रेस)

रक्षाबंधन जीवन रक्षा के निर्वाह का भी सूत्र

रक्षाबंधन

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

रक्षाबंधन का त्यौहार भाई बहन के प्रेम , समर्पण और एक दूसरे की रक्षा के भाव को लिए हुए आता हैं । यहां रक्षा के हर सूत्र में भाई बहन को यह विश्वास और संकल्प दिलाया जाता है कि वह उसकी रक्षा का दायित्व निभायेगा। भाई बहन के बीच जो परस्पर प्रेम है, समर्पण है वह इस पर्व पर खुल कर सामने आता है । यहां किसी को किसी से कुछ नहीं चाहिए, सब एक दूसरे की खुशी चाहते हैं । जो जहां है जहां रहे वह खुश रहे और इस विश्वास की रक्षा करता रहे की भाई-बहन दोनों एक दूसरे के सुख-दुःख को हरने के लिए बने हैं । रक्षाबंधन का त्यौहार आता तो दूर-दूर से भाई घर पहुंच जाते बहनें प्रतीक्षा करती कि आज के दिन भाई आयेगा या बहन भाई के घर पहुंच जाती । जो भी संभव होता जिसे भी आसानी होती वह पहुंच जाता और भाई बहन का यह प्रेम से पूरित रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता। इस पर्व पर आंगन अलग ही सज जाता। आंगन का दृश्य कुछ यों बनता कि एक साथ स्नान कर सारे भाई पंक्ति में बैठ जाते और बहनें थाल में रक्षासूत्र सजा कर लाती और एक एक कर भाई के कलाई पर बांधती जाती। वह भाई बहुत किस्मत वाला होता जिसकी कलाई पर एक से अधिक राखी बंधी होती । बार-बार भाई अपने हाथों को देखता कि उस पर कैसे कैसे रंग से सजी और किस तरह की राखी बंधी है । यह रक्षासूत्र प्रतिष्ठा का, भाई बहन के प्रेम का, विश्वास का और समर्पण का प्रतीक होता। यहां भाव महत्वपूर्ण होता न की कौन राखी कहां से आई है या कितने की है या यह कहें कि राखी सोने चांदी की तो नहीं है । हो तो भी उसका वह मूल्य नहीं होता जो मूल्य राखी के भाव सूत्र में होती है । बड़ी बहन जिसे सब दीदी कहते, मंझली बहने और छोटी बहन एक एक कर भाई के कलाई पर राखी बांधती जाती। एक से अधिक होते होते होते जब छः सात राखी बंध जाती तो पूरा हाथ ही भर जाता और इस भरे हुए हाथ को लेकर भाई इतराता हुआ घूमता। राखी को बांधकर भाई घूमने निकल जाता। बार बार राखी से भरे हाथ देखता। अब भाई के हाथ पर एक ही राखी होती या वह भी नहीं होती। ज्यादातर एक ही भाई या एक ही बहन होती है या वह भी नहीं होती । अब मुंहबोली बहन या भाव के भाई होते सगे भाई बहन तो कम ही होते जा रहे हैं जो हमारे पारिवारिक भाव और जीवन दशा को अलग से ही संकेतित करते हैं ।

रक्षाबंधन का पर्व भारतीय समाज और संस्कृति के उत्सव प्रियता और भाई-बहन के परस्पर प्रेम , समर्पण रक्षा और अस्तित्व का पर्व है । यहां रक्षा का जो सूत्र बहन, भाई के कलाई पर बांधती है वह एक तरह से अमिट भाव की तरह होता है । रक्षा का सूत्र जीवन रक्षा के निर्वाह का भी सूत्र होता है। बहन भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है तो यह भाव होता है कि भाई को लंबी उम्र मिले। वह यशस्वी बने और जीवन पथ पर सफल रहे, वहीं भाई ! बहन को यह विश्वास दिलाता है कि वह उसकी रक्षा का दायित्व उठायेगा। उसकी रक्षा करेगा। रक्षाबंधन का त्यौहार सीधे-सीधे भाई के लिए राखी खरीदने से लेकर और उसके कलाई पर राखी बांधने तक चलता है। बहन थाली में सजाकर राखी लाती है राखी के साथ कुमकुम रोली अक्षत और मिठाई होती है। जब बहन राखी बांधती है तो भाई थाली में अपनी क्षमता अनुरूप रुपए रखता है। यह सब बचपन से हम सब देखते आ रहे हैं। हर साल आंगन में राखी का त्यौहार इसी तरह सज धज के साथ आता था। आंगन भाई-बहन के इस अटूट प्रेम संबंधों से सज जाता था। याद आता है कि आंगन में हम सारे भाई कतारबद्ध होकर बैठे होते और बहने एक-एक कर राखी बांधती जाती। देखते-देखते कलाई पर एक साथ 6-6 या उससे भी ज्यादा राखी सज जाती। इस राखी सजे हाथ को बार बार भाई देखता। राखी के रंग और सूत्र लुभाते रहते हैं जिसे भाई देखता रहता है। इस राखी के धागे को स्वास्थ्य, रक्षा और सफलता का सूत्र भी समझा जाता था । अब कहां इस तरह के आंगन बचे हैं ? और कहां वह सारे लोग। बचपन बीतने के साथ ही भाई-बहन सब अपनी अपनी मंजिलों पर अपने-अपने लक्ष्य पर और अपने-अपने सपनों के शहर में चले जाते हैं । गांव का घर सूना, आंगन सूना, अपने ढंग से उनकी राहे देखता रहता है । अब आंगन में सारे भाई-बहन कहां आ पाते । सब न जाने कहां कहां चले गए । पर स्मृति में वहीं घर , वहीं आंगन और वहीं रक्षाबंधन का पर्व घूमता रहता है। अब जो जितनी दूर गया उसकी आंखों में वह आंगन और तेजी से घूमने लगता है । वह समय चक्र को देखता है कि समय किस तेजी से भाग रहा है कहां भाई बाजार से राखी खरीद कर लाता और बहन डिजाइन आदि बताती और फिर रक्षाबंधन के दिन सारी राखी भाई के कलाई पर सज जाती और रेडियो पर राखी के दिन के गाने बज रहे होते , भाई बहन के परस्पर प्रेम की कहानियां सुनाई जाती । लगातार भाई को याद दिलाया जाता कि तुम्हें बहन की रक्षा करनी है । और ये सब केवल बातें नहीं थी यह सब हमारी संस्कृति की गहरी जड़ों से निकली ध्वनियां थी....जिनका खास अर्थ होता और जिसे बचपन से ही मन पर बिठा दिया जाता था। पर देखते देखते गांव घर आंगन सब दूर हो जाते और नये शहर नई दुनिया नये सिरे से सामने आ जाते । भाई-बहन सब एक साथ नहीं होते सब अपने-अपने शहर में अपनी-अपनी दुनिया में अपने-अपने जीवन साधनों के साथ रह रहे हैं । ऐसे में राखी अब लिफाफे में बंद होकर दूर-दूर शहरों तक चली जाती है। अब राखी आनलाईन प्लेटफार्म के जरिए भी आ जाती। तकनीक और बाजार के द्वारा लगातार हमारी दुनिया को सुविधाजनक बनाया जाता है। इस क्रम में हमारे पर्व त्यौहार भी आते हैं । बाजार इस समय राखी से सजा है तरह तरह की राखियां टंगी है , रेशम के सूत्र से लेकर सोने चांदी के सूत्र तक और इन सबके साथ राखी का भाव बंध की भाई के हाथ पर बहना को राखी बांधनी है । दूर देश तक इस पर्व की सुगंध व्याप्त रहती है।

भाई बहन देश विदेश कही भी हों , रक्षा सूत्र से इस तरह बंधे होते हैं कि दूरियां महसूस ही नहीं होती। जहां-जहां भाई होते वहां वहां राखी और रक्षा सूत्र नई सज धज के साथ नए नए ढंग से पहुंच जाते हैं । यहां राखी का वही भाव होता जो बचपन से मन पर बसा है । लिफाफे में बंद राखी रक्षाबंधन के दिन उसी भाव से खुलती । एक एक कर थाली में सजाकर रख ली जाती यहां भी राखी के साथ रोली, अक्षत और मिठाई सज जाती और उसी भाव से राखी आज भी बंधती है। हमारे पर्व जीवन उत्सव व संस्कृति के संदर्भ को ऐसे लिए आते हैं कि इनके साथ ही हमारा जीवन चलता हुआ दिखता है । ये पर्व जीवन को संस्कृति से चेतना से मानवीय राग से, अस्तित्व से और मनुष्यता वोध से जोड़ने का काम करते हैं । ये बताते हैं कि हम इस तरह एक सूत्रता में बंधे हैं कोई अकेला नहीं है सबके साथ कोई और है जो उसका साझीदार है, उसके साथ सात समंदर तक चलता रहता है यहां दूरियां भी निकटता में बदल जाती और इन सबके पीछे हमारे पर्व मानवीय संबंधों को लेकर ऐसे खड़े हैं कि ये न हो तो कुछ बचे ही नहीं। यहीं से यह सीख मिलती है कि हमें अपनी पारिवारिकता के साथ , अपने आसपास के साथ अपने परिसर के साथ और अपने परिवेश के साथ एक दूसरे को जोड़ते हुए आगे बढ़ते जाना है ।

संस्कृत ही संस्कृति और संस्कार की त्रिवेणी

संस्कृत दिवस

प्रो. वत्सला

(लेखिका एवं शिक्षाविद्)

संस्कृत विश्व की सभी भाषाओं में प्राचीनतम एवं वैज्ञानिक भाषा है, इसमें कोई विसंवाद नहीं है। इसका विशाल वाड्मय सभी भाषाओं के साहित्य से समृद्ध है। ज्ञान -विज्ञान, धर्म, दर्शन, अध्यात्म, योग, सभ्यता, संस्कृति, साहित्य, कला, संगीत नीति, उपदेश, मानव धर्म, जीवन मूल्य, सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय का समग्र भंडार इसी भाषा में निबद्ध है। विश्रुत विश्व गुरु सुरसेवित भारत भूमि की वाणी देव वाणी (सुरभारती) संस्कृत है। भाषा विज्ञान में भाषाओं के वर्गीकरण से पृथक रखते हुए हम कह सकते हैं कि यह सभी भाषाओं की जननी है जैसे एक ही माता की विभिन्न प्रकार की संतानें हुआ करती है। वैसे ही संस्कृत से विभिन्न प्रकार के भाषाओं की उत्पत्ति हुई हैं।

अंग्रेजों के भारत आगमन से पूर्व संस्कृत राजभाषा थी किंतु लॉर्ड मैकाले ने 1835 में संस्कृत की जगह अंग्रेजी को राजभाषा घोषित कर दिया। यद्यपि उस समय भी विदेशी विद्वानों के द्वारा संस्कृत का अध्ययन किया जा रहा था और संस्कृत की प्रतिष्ठा पूरे यूरोप में बढ़ने लगी थी। स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के बाद भी हर कालखंड में संस्कृत का अस्तित्व कायम था, किंतु उसका प्रयोग या प्रचलन न्यूनतम होता गया। संस्कृत भाषा से विदेशी तो आकृष्ट थे इसके ही साथ ही देश में विद्यमान संस्कृत प्रेमियों ने भी संस्कृत के अस्तित्व को अपनी लेखनी से जीवित रखा था। हमारे ऋषि मुनी अध्ययन के प्रति इतने निष्ठावान थे कि उन्होंने विद्यार्थियों के शिक्षारंभ के लिए एक निश्चित तिथि का विधान किया था। इसी तिथि से शिक्षण सत्र का आरंभ होता था। सत्रारम्भ की तिथि होती थी श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन का दिन।

वर्ष 1969 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आदेश से केंद्रीय तथा राज्य स्तर पर संस्कृत दिवस मनाने का आदेश पारित किया गया। तब से संपूर्ण भारत में संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन का चयन इसलिए किया गया क्योंकि प्राचीन भारत में इसी दिन से शिक्षण सत्र शुरू होता था। इसी दिवस से वेद पाठ का आरंभ

होता था तथा छात्र शास्त्रों के अध्ययन का आरंभ इसी दिवस से करते थे। पौष माह की पूर्णिमा से श्रावण माह की पूर्णिमा तक अध्ययन बंद हो जाता था। प्राचीन काल में पुनः श्रावण पूर्णिमा से पौष पूर्णिमा तक अध्ययन चलता था इसलिए इस दिन को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन के चुनाव का जो कारण था ,उसका सम्बन्ध भारत व उसके शाश्वत धर्म से है। मनुस्मृति के अनुसार, 'श्रावण्यां प्रौष्ठपद्यां वा उपकृत यथाविधिः।' यह दिन आदिकाल से गुरुकुलों में वेद अध्ययन प्रारंभ एवं उपनयन संस्कार का रहा है इसलिए इस दिन का चयन किया गया ताकि संस्कृत परंपरा में यह दिन अक्षुण्ण रह सके। आजकल इस दिवस को अपनी सुविधानुसार आगे पीछे किसी दिन भी मना लिया जाता है।

सनातन धर्म की भांति संस्कृत भाषा भी सनातन है। 21 जून को पूरी दुनिया में मनाए जाने वाला योग दिवस इसका प्रमाण है। संस्कृत पूरी मानवता को जोड़ने का सामर्थ्य रखती है क्योंकि यह भाषा किसी धर्म, राष्ट्र, जाति के बंधन में नहीं बांधी जा सकती है। जीवन मूल्यों और मानवीय मूल्यों का आगार है- संस्कृत भाषा। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव, वसुधैव कुटुंबकम्, आचारः परमो धर्म, न ही सत्यात् परो धर्मः, अहिंसा परमो धर्मः ,धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः, परोपकाराय सतां विभूतयः आदि के संदेश मनीषियों ने संस्कृत वाड्मय में ही दिया है।

सारा आध्यात्मिक ज्ञान संस्कृत साहित्य में ही भरा पड़ा है। संस्कृत संस्कार से युक्त व्यक्ति के चरित्र को सदाचारवान बनती है। आज भारतवर्ष के कई राज्यों के कुछ गांवों में संस्कृत बोली जाती है। संस्कृत भारती संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए सन्नद्ध है जिसके कारण संस्कृत बोलने वालों की संख्या बढ़ रही हैं। संस्कृत के उत्थान एवं संवर्धन के लिए हमारी सरकार ने अनेक विश्वविद्यालयों तथा अनेक संस्कृत अकादमियों की स्थापना की है लेकिन ये सारे तंत्र भी राजनीतिक हस्तक्षेप से ग्रसित है इसलिए संस्कृत के अधःपतन में सरकार के साथ-साथ संस्कृत के अपने लोग भी जिम्मेदार हैं। यदि राष्ट्र के कल्याण की कामना करते हैं तो संस्कृत के महत्व को राष्ट्र को समझना होगा और वह भाषा जिस प्रकार उस महत्व को प्राप्त कर सकें वैसा सफल प्रयास करना चाहिए। संस्कृत को करुणा की आवश्यकता नहीं है उसे श्रद्धा पूर्वक स्वीकार करने की आवश्यकता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

तलवार की धार पर भारी जुबान

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सोलह संस्कारों में से एक विवाह संस्कार जीवन का वह अंधा मोड होता है, जहां कोई भी चेतावनी का बोर्ड नहीं लगा होता कि आगे...। फिर भी इस संस्कार के पीछे लोग भागते जरूर हैं। दुर्घटना से देर भली के जगह-जगह पर लगे संकेतकों से भी लोग समझ नहीं पाते।

इस संस्कार में एक बहुत अजीब सी रस्म होते देखी गई है। दूल्हे के हाथ में तलवार देखकर लगा कि यह बला क्यों? वैसै इस परंपरा को जीवंत रखने वाली बुजुर्ग पीढ़ी इसे सुरक्षा के संकल्प से जोड़कर बताते हैं। इधर, दूल्हा भी सीना तान के घोड़े पर तलवार लेकर ऐसे बैठता है, जैसे किसी रियासत का राजकुमार आखेट पर निकला हो। यह अलग बात है कि उसकी तलवार म्यान में होती है, लेकिन तलवार का खौफ शायद वधु पक्ष में भी शायद ही होता हो। इधर, वधु पक्ष में वधु की सहेलियां भी कम नहीं होती। वो बार-बार अपनी प्रिय सहेली को देखकर अपने होने वाले कथित जीजा (यहां स्पष्ट करता चलूं कि यह जीजा नामक प्राणी इस डिजिटली युग में जीजू हो गया है) के साथ चिरौरी करती हैं। शादी में तलवार का रोल मुझे तो सिर्फ वैसा ही लगा, जैसे किसी लोन पर जीएसटी चुकाने के बाद बैंक वाले को ब्याज अलग से चुकाना, क्योंकि न तो जीएसटी हमारे कोई काम की, न बैंक को चुकाया ब्याज हमारे लिए फायदे का सौदा। खैर, शादी के बाद जब दूल्हा दुल्हन को लेकर घर आ जाता है तो घर के रीति-रिवाजों और छेड़खानियों की गवाह तो वह तलवार रहती है और देवता धौकने के बाद तलवार को ऐसे तजा जाता है, जैसे उसमें कोई भूत-पिशाच निवास करता हो। इधर, तलवार म्यान में ही रहती है, लेकिन दुल्हन की तलवार की धार तेज हो जाती है। मसलन उसकी जुबान तलवार की धार का पानी उतार चुकी होती है और उसके वार से घर का हर सदस्य आह-वाह करता रहता है। इधर, तलवार की धार कुंद होने के साथ ही जुबान की धार की बात निकली है तो याद आया कि हमारे देश की एक खास म खास प्रजाति, जिसे नेता कहते हैं, वो मंत्री भी हो सकता है तो विधायक भी। गली-मोहल्ले का छुट भैया भी हो सकता है या फिर किसी उच्च पद पर आसीन दबंग भी। इनकी जुबान तो तलवार की धार से कही तेज और दोनों ओर होती है। इनकी जुबान यह नहीं देखती कि इसके दो तरफा प्रहार से किनका संहार होगा और किनकी झोली भर जाएगी। बस वे तो चलाते भर हैं।

ठीक उसी तरह जैसे शैल चतुर्वेदी की मशहूर कविता '...और चल गई' की तर्ज पर इनकी भी चल ही जाती है। इसके चलने से भला किनका होता है। ये तो खुद ये भी नहीं जानते, लेकिन इनके सोशल मीडिया के वीर सैनानी जरूर जानते हैं। इसलिए तलवार को म्यान में ही रहने दो, लेकिन जुबान की म्यान कहां से लाएं? इस बारे में कालांतर से शोध जारी है अभी तक परिणाम नहीं आया, उस पटवारी परीक्षा की तरह जो बार-बार निरस्त हो जाती है। इधर, आधुनिक रील्स युग में तलवार का स्वरूप भी वामन हो गया है। अब वह हथेली में भी नहीं आती। यहां तलवार का रूप घटना वहां जुबान की धार का विकराल होने से रिवाजों में यह ऋतु परिवर्तन की तरह है।

रक्षा बंधन

अशोक जोशी

(लेखक एवं समीक्षक)

सिनेमा में भी भाईयों ने बिखेरा है जलवा

राखी हो या भाई दूज, भाई तो हमेशा की तरह इन पर्वों को मनाते रहते हैं। बहनें सज संवरकर इन त्योहारों की खास तैयारी करती हैं। वैसे यह हमारे समाज की परम्परा रही है कि हम बहन-बेटियों को खास तरजीह देते हैं। लेकिन, इस तरह भाईयों को अनदेखा करना भी उचित नहीं। इस बार रक्षाबंधन पर भाइयों पर आधारित फिल्मों और फिल्मी भाईयों की बात कर ली जाए तो क्या हर्ज!

वैसे तो हिंदी सिनेमा में ज्यादातर फिल्में बहनों पर आधारित छोटी बहन, बड़ी बहन, मझली दीदी जैसी फिल्में बनी है, तो भाईयों पर आधारित फिल्में भी कम नहीं। यदि इस तरह की फिल्मों के शीर्षकों पर नजर दौड़ाई जाए तो भाई शीर्षक से जुड़ी फिल्मों की संख्या बहन शीर्षक से ज्यादा निकलेगी। यकीन न हो तो गिनकर देख लीजिए। भाई, दो भाई, भाई भाई, बड़ा भाई, चल मेरे भाई, मुन्नाभाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्नाभाई ,मेरे भैया, बिग ब्रदर, हैलो ब्रदर, गुरु भाई, भाई हो तो ऐसा और 'मैं और मेरा भाई' जैसी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। फिल्मी गानों में भी भाइयों ने बहनों की तरह ही अपना जलवा बिखेरा है। इन गीतों में चल मेरे भाई तेरे हाथ जोड़ता हूं, देखो रे हुआ भाई भाई से जुदा, भैया मेरे राखी के बंधन, मेरे भैया मेरे चंदा, चंदा रे भैया से कहना और राखी का मतलब प्यार है भैया प्रमुख हैं।

हमारे यहां यदि रागिनी और पद्मिनी से लेकर करीना और करिश्मा जैसी बहनों ने नाम कमाया, तो भाईयों ने भी अभिनय के क्षेत्र में अपना दमखम दिखाया। इनमें कुछ भाई सफल तो कुछ असफल रहे। सफल भाईयों में अशोक कुमार और किशोर कुमार हैं, तो इनके तीसरे भाई अनूप कुमार ज्यादा चल नहीं पाए। भाईयों में कपूर ब्रदर्स ने बहुत ज्यादा नाम कमाया है, चाहे वह राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर हो या ऋषि कपूर और रणधीर कपूर। जरूरी नहीं कि कपूर भाई का होना सफलता की गारंटी ही है। यदि ऐसा होता तो राज कपूर के तीसरे बेटे राजीव कपूर और अनिल कपूर के छोटे भाई संजय कपूर भी सफलता के झंडे गाडते। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ।

कई बार ऐसा भी हुआ है एक भाई के सफल होने पर दूसरा भाई उसी तरह की सफलता की आस लगाए सिने मैदान में कूद पड़ता है। लेकिन, उसे असफलता ही हाथ लगती है। दिलीप कुमार की सफलता से प्रेरित होकर हीरो

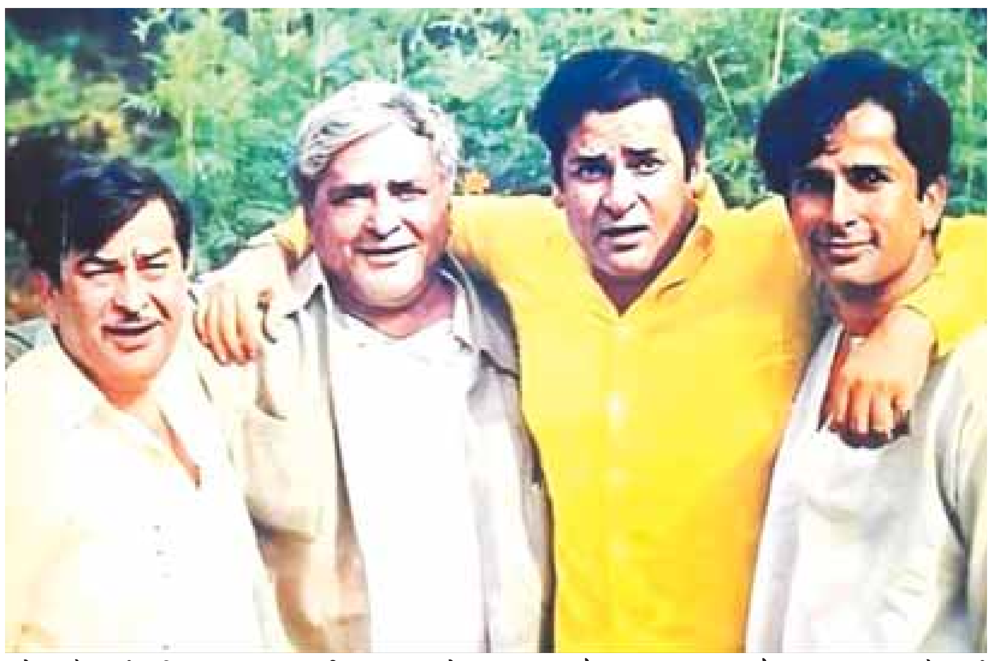

बने उनके भाई नासिर खान ज्यादा नहीं चल पाए। देव आनंद के भाई विजय आनंद और चेतन आनंद ने कुछ फिल्मों में अभिनय पर हाथ आजमाए, लेकिन वह बेहतरीन निर्देशक जरूर बनें लेकिन दूसरे देव आनंद नहीं बन सके। सुनील दत्त चाहकर भी अपने भाई सोमदत्त को सफलता का दीदार नहीं करवा पाए। मनोज कुमार अपने भाई राजीव गोस्वामी को अभिनेता बनाने के चक्कर में पारिवारिक कलह में ऐसे फंसे कि उबर नहीं पाए।

प्रेमनाथ के साथ उनके भाई राजेन्द्र नाथ तो सफल रहे, लेकिन नरेन्द्र नाथ ज्यादा नहीं चल सके। आमिर खान के भाई फैजल खान, फिरोज खान के भाई संजय खान और अकबर खान, और सलमान खान के भाई अरबाज खान और सोहेल खान की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। देओले बंधुओं की भी यही कहानी है। उनके छोटे भाई बॉबी देओल भी ज्यादातर फ्लॉप ही रहे। वो तो 'एनिमल' और ओटीटी की 'आश्रम' ने उन्हें तिनके का सहारा दे दिया वर्ना वह भी फ्लॉप भाइयों की कतार में खड़े मिलते।

अभिनय के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी भाईयों ने अपनी किस्मत आजमायी है। गायन में जिस तरह मंगेशकर बहनों का एक छत्र राज्य चलता आया। लेकिन, उनके भाई हृदयनाथ ज्यादा कुछ नहीं कर सके। भाईयों में ऐसी जोडी नहीं दिखाई दी जिन्होने गायन में अपना वर्चस्व कायम किया हो। कव्वाली के मैदान में जरूर कुछ भाईयों ने नाम कमाया। संगीत के क्षेत्र में कल्याण जी आनंद जी के बाद जतिन-ललित और आनंद-मिलिंद ने अच्छा नाम कमाया । लेकिन कोई भी कल्याणजी आनंदजी की तरह लम्बे समय तक नहीं टिक पाए।

निर्देशन के क्षेत्र में आनंद बंधुओं की सफलता का ग्राफ सबसे ज्यादा ऊंचा रहा। चेतन आनंद गंभीर निर्देशन के क्षेत्र में अग्रणी रहे, तो विजय आनंद ने मनोरंजक फिल्मों में खूब नाम कमाया। उनकी तरह देव आनंद भी निर्देशक बने, लेकिन हरे राम हरे कृष्ण और देस परदेस को छोड़कर तीसरी सफल फिल्म का निर्देशन नहीं कर पाए। संयोग से यह दोनों सफल फिल्में भाई - बहन और भाई भाई के प्रेम पर आधारित थी। वैसे तो राज कपूर के साथ शम्मी कपूर और शशि कपूर ने, रणधीर कपूर के साथ ऋषि और राजीव कपूर, फिरोज खान के साथ संजय खान और अकबर खान ने निर्देशन की परम्परा को आगे बढ़ाया लेकिन इनमें भी एक भाई सफल तो दूसरे भाई असफल रहे। अब्बास मस्तान भाईयों की जोडी जरूर निर्देशन के क्षेत्र में कुछ हद तक सफल रही।

हिंदी सिनेमा में राकेश रोशन और उनके छोटे भाई राजेश रोशन दोनों ने अपार सफलता पायी लेकिन दोनों के क्षेत्र अलग अलग थे। कुछ कलाकारों ने भाई होने का दायित्व सगा भाई न होने के बाद निभाया है। इनमें लता मंगेशकर सबसे ज्यादा भाग्यशाली थी जिन्हें मदन भैया, युसूफ भैया और मुकेश भैया का स्नेह मिला तो सलमान खान ऐसे अभिनेता है जिन्हें बॉलीवुड का भाई कहकर पुकारा जाता है। इसीलिए तो सभी की यही कामना होती है कि भाई हो तो सिनेमाई!

अमृत-प्याली है

मत समझो माँ चली गयी तो,पीहर खाली है।
जीजी मैके में तो तुमको पूजा-थाली है।

कथड़ी में ज्यों गुम्फित धागे,
यादें चलती आगे आगे,
हूक हिलोरों ने अन्तस की धरा हिला ली है।

हरियाली,गणगौर तीज में,
साँझा,गरबा,भाऊबीज में,
पल-पल, टप-टप, नयनों घुलते, काजल, लाली हैं।

रम्भाती है श्यामा गैया,
बहला रहे तुम्हारे भैया,
यादों से हर आँख हमारी, सावन वाली है।

दरवाजे स्वस्तिक निखरा है,
देहरी पर कुंकुम बिखरा है,
स्वस्तिकामना भी आँगन में रचा-बसा ली है।

गुल्लक है जैसी की तैसी,
रखी सीनरी भी है वैसी,
रखी धरोहर यादों की हर एक सम्भाली है।

राह तकें सावन के झूले,
पंछी लौटे जो घर भूले,
खबर तुम्हारे आने की, ऊषा की लाली है।

अस्फुट स्वर में माँ थी बोली,
मेरी मैना सबसे भोली,
रखना ध्यान जिंदगी भर, यह अमृत-प्याली है।

जीजी कुछ दिन पहले आना,
जीजू,बच्चों को भी लाना,
गुड्डे की स्वप्निल मिठास, जीजू में पा ली है।

ज्योति दीप की धूप-गन्ध हो,
दोनों कुल की सेतुबन्ध हो,
राखी पर आ जाती हो तो, लगे दिवाली है।

भाई-बहन का प्रेम निराला
खिचड़ी में घी भी घर वाला
केशर गन्ध तुम्हारी भाभी ने ही डाली है।
- अशोक चन्द्र दुबे 'अशोक'

रक्षाबंधन : महकते रहें रिश्तों के ये पवित्र धागे सदा

रक्षाबंधन पर्व विशेष

अतुल गोयल

(लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं)

रक्षाबंधन का पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 9 अगस्त को मनाया जा रहा है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल में 'गुरु महापूर्णिमा', दक्षिण भारत में 'नारियल पूर्णिमा' तथा नेपाल में इसे 'जनेऊ पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है। रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों

की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

संस्कृत दिवस

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

जर्मन कवि गेटे ने जब 'शकुंतला' का विज्ञापन किया

अठारहवीं सदी के अंतिम दौर में जर्मनी में जो कुछ घटित हुआ, वह जर्मनी के सांस्कृतिक इतिहास में तो महत्वपूर्ण था ही, उसने भारत की सांस्कृतिकचेतना को जगाने का भी काम किया। वर्ष 1789 में सर विलियम जोन्स महाकवि कालिदास-रचित 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का अंग्रेजी अनुवाद कर चुके थे, इसके ठीक दो वर्ष बाद जॉर्ज फॉरेस्टर ने उस अनुवाद को जर्मनी भाषा में ज्यों का त्यों उतार दिया। जर्मन कवि गेटे वर्ष 1791 में जॉर्ज फॉरेस्टर का अनुवाद भर पढ़कर अभिभूत हो गये। गेटे ने पहली बार जाना, कि भारतीय साहित्य की चेतना का कद मापना आसान नहीं है। गेटे 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का जर्मनी अनुवाद पढ़कर जितने अभिभूत हुए, उतने कभी शेक्सपियर के लिखे नाटकों को उसकी मूल भाषा में पढ़कर भी नहीं हुए थे। गेटे जब 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का अनुवाद पढ़कर उठे, तब उन्होंने भाव-विभोर होकर लिखा-

'यदि तुम बसन्त के तरुण फूलों और ग्रीष्म के पके हुए फलों को एक साथ देखना चाहते हो, या तुम देखना चाहते हो उसे, जो एक ही साथ सुख दे, मोहित कर ले, आह्लादित करे और तृप्त भी कर दे; अथवा यदि तुम धरती और स्वर्ग को एक साथ देख लेना चाहते हो, तो मैं एक ही नाम बताता हूँ 'शकुन्तला'। वहाँ सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ विद्यमान हैं।'

गेटे की इन पंक्तियों ने उस दौर में 'शकुंतला' के जबरदस्त विज्ञापन का काम किया। इन पंक्तियों का गजब चमत्कार हुआ। बहुत थोड़े से अंतराल में ये पंक्तियाँ पूरे विश्व में घूम आईं। योरप के साहित्य जगत में हलचल मच गई। बड़े-बड़े साहित्य मनीषी और विचारक 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का मूलपाठ देखने के लिये उतावले होने लगे। गेटे के इन भावपूर्ण उद्गारों का प्रभाव पाश्चात्य जगत पर ही पड़ा, ऐसा नहीं है। ये उद्गार जब भारत में आये, तो इनका जो स्वागत हुआ, वह भी बेमिसाल था। भारत के एक संस्कृत कवि ने गेटे की भावनाओं को इस मंजुल छंद में पिरो कर उसे विद्वान् आचार्यों के बीच फैला दिया-

'वासन्तं कुसुमं फलं च युगपद् ग्रीष्मस्य सर्वं च यत्
यच्चान्यन्मनसो रसायनमतः सन्तर्पणं मोहनं।
एकीभूतमभूतपूर्वमथवा स्वर्लोकभूलोकयो-
रैश्वर्यं यदि याञ्छसि प्रियसखे! शाकुन्तलं सेव्यताम्।।

गेटे ने अपनी बात को और अधिक जोरदार तरीके से सबके सामने रखते हुए एक खूबसूरत कविता जर्मनी में लिखी, जिसका अंग्रेजी अनुवाद एडवर्ड बेकहाउस इस्टविक ने किया। उस अनूदित कविता के भाव इस प्रकार है-

'तरुणाई भरे वर्ष का बसंत हो तुम,
तुम समूचे जीवन का प्रतिफल हो
तुम वह हो जिससे आत्मा मोहित,
मुदित, तृप्त और पोषित हो जाए।
धरती और स्वर्ग को अपने नाम में
समाहित कर लेती तुम एक साथ,
तुम्हारा नाम लूँ मैं, ओ शकुन्तला!
इस नाम में ही सब कुछ व्यक्त है।'

इस कविता ने भी वैसी ही धूम मचाई। यह कविता साहित्य में अभिरुचि रखने वाले असंख्य काव्य-रसिकों के हृदय में सीधे उतर गई, और वे बेसब्री से 'अभिज्ञान शकुंतलम्' का पाठ ढूँढने निकल पड़े, भले ही वह अंग्रेजी में अनूदित हो या जर्मनी में। यह महाकवि गेटे के भावपूर्ण विज्ञापन का ही चमत्कार रहा होगा, कि वर्ष 1793 के आसपास रूस में संस्कृत नाटक 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का मंचन निकोलाई करामज़िन ने किया। तब इस नाटक की प्रस्तावना में 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' को 'अनुपम सौंदर्य की विलक्षण कविता' और 'श्रेष्ठतम कला का उदाहरण' बताया गया।

गेटे का संदेश बहुत साफ था। उसका असर विश्व भर में हुआ। न्यूयॉर्क की वेदान्त सोसाइटी ने 'अभिज्ञान शाकुंतलम' को 'आश्चर्यों की भूमि से आया हुआ एक आश्चर्य' कहा। शाकुंतलम् के अनुवाद अंग्रेजी और जर्मनी के अतिरिक्त फ्रेंच, इतालवी, रूसी सहित बहुत सी यूरोपीय भाषाओं में हुए। जगह-जगह शाकुंतलम् के मंचन भी होने लगे। वर्ष 1858 में पेरिस में हुआ शाकुंतलम् का मंचन इसलिये महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि वहाँ पहली बार लिब्रेट्टो और अर्नेस्ट रेयर के संगीत के साथ नाटक का बैले संस्करण प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद वर्ष 1895 में आन्द्रे फर्डिनेन्ट हेराल्ड द्वारा किया गया 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' के रूपांतरण 'लैनेउ डी शकुंतला' को पेरिस के थियेटर डी एल ओउवरे में प्रस्तुत किया गया। गेटे के विज्ञापन की शैली अनूठी थी, जिसने भारतीयों का भी मन मोह लिया। राजा लक्ष्मण सिंह ने 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का हिन्दी अनुवाद किया। उसके बाद हिन्दी ही नहीं, अनेक भारतीय भाषाओं में 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का अनुवाद करने की होड़ लग गई। वे अनुवाद आज भी मील का पत्थर माने जाते हैं।

गेटे की पहल भारत के लिये भी वरदान सिद्ध हुई।

इससे पहले तक महाकवि कालिदास रचित 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' कुछ विद्वान् रसिकों के लिये ही कौतुक का विषय था। कालिदास के साहित्य पर मल्लिनाथ की टीकाएँ उपलब्ध थीं, वे पढ़ी जाती थीं, लेकिन 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' जैसे नाटक के मंचन की लोकव्यापी परम्परा नहीं थी। गेटे का साफ इशारा इस ओर था, कि शाकुंतलम् पढ़कर रख देने की पुस्तक नहीं है। वह भारत की आत्मा को कलात्मक अंदाज में व्यक्त होने का महाद्वार है। उन्होंने यह भी पाया कि विश्व भर में यही एक मात्र नाट्यकृति है, जो हमें भारत के आश्रमों के बीच रहते हुए लता-पादपों, मृगछौनों का सहचर बनाती है, और सुंदरता की खोज करते हुए उसके बहुत पास तक ले जाती है।

अब 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' की पोथी संस्कृत के पंडितों से घिरी हुई नहीं रही। हिन्दी, बंगला, मराठी, तमिल, मलयालम, उड़िया, गुजराती भाषाओं में और इनकी बोलियों में उसके बेहतरीन अनुवाद भी हुए, और मंचन भी। जगह-जगह औरअलग-अलग शैली में उसके प्रयोग होने लगे। कालिदास स्वयं अपने इस नाटक को प्रयोगविज्ञान कहते हैं। 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' के प्रथम अंक में वे कहते हैं- आ परितोषात् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्। 'जब तक विद्वज्जनों को संतोष नहीं हो जाता, तब तक मैं इस प्रयोगविज्ञान को सफल नहीं मानता।' यह एक ऐसी बात थी, जो नाटक को पाठ्यवस्तु होने से बचाकर उसे लोकधर्मी बनाती है। यह कालिदास की मौलिक स्थापना है, लेकिन इस पर सबसे पहले ध्यान गया जर्मन कवि गेटे का। जगह-जगह 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' के मंच सजने लगे,और संस्कृत में लिखे गये नाटक विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्, स्वप्नवासवदत्ता, मृच्छकटिकम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षस के मंचन का पथ प्रशस्त हुआ। संस्कृत रंगकर्म की परम्परा को मानो पंख लग गये।

उन्नीसवीं सदी के अंत के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की जो लहर चली, उसने महाकवि कालिदास को विश्ववंद्य और विश्वकवि के रूप में स्थापित कर दिया। बीसवीं सदी के तीसरे दशक में उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर के परिसर में पंडित सूर्यनारायण व्यास ने बहुत थोड़े से गुणी जनों को साथ में लेकर कालिदास समारोह का जो बीज बोया, वह एक तरह से स्वतंत्रता संग्राम के लिये उज्जैन के लोगों की सांस्कृतिक आहुति थी। पंडित जी ने भारत के स्वाभिमान को जगाने के लिये पूरी ताकत के साथ महाकवि कालिदास को आगे किया। भारतवासियों को कालिदास से परिचित कराने के लिये पंडित व्यास जी ने अथक परिश्रम किया। देश स्वाधीन हुआ, तब तक कालिदास की कीर्ति विश्व भर में फैल चुकी थी। पंडित जी ने कालिदास की दीपशिखा को जमकर थामे रखा। कालिदास और विक्रम की गाथाओं से भरे पड़े उनके लेख चाव से पढ़े जाने लगे थे, वे आज भी प्रामाणिक समझे जाते है।

उज्जैन में वर्ष 1958 में जब कालिदास समारोह की विधिवत शुरुआत हुई, तब वहाँ देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्रप्रसाद, श्रीमंत जीवाजीराव सिंधिया, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, पंडित ओंकारनाथ ठाकुर और रूस के संस्कृत विद्वान् वारान्निकोव आये थे। तब 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का मंचन देखने के लिये राष्ट्रपति जी देर रात तक रुके थे। तब से लेकर अब तक विश्व के लगभग सभी बड़े देशों की नाटक मंडलियाँ अखिल भारतीय कालिदास समारोह के मंच पर 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का मंचन कर चुकी हैं। आज विश्व के सांस्कृतिक मंच पर कालिदास के 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' की जो प्रतिष्ठा है,वह भारत के स्वाभिमान का प्रतीक-पुंज है।

वास्तव में पूरा 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' धरती और स्वर्ग का मिलन है। यह द्यावा और पृथ्वी के अंतर्सम्बंधों की कथा कहता है। यह नाटक प्राचीन ऋषिकुलों का एक खूबसूरत चित्र हमारे सामने खींच देता है। 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' की कहानी मनोरंजन की कहानी नहीं है। वहाँ स्थूल प्रेम की व्यंजना से कहीं अधिक वे तत्व हैं, जो प्राचीन भारत का गौरव-गान करते हैं। इसकी कथा में कई उतार-चढ़ाव हैं, कई रहस्य हैं, जो अब भी हमारे अभिज्ञान में नहीं है।

जर्मन कवि गेटे की छोटी सी कविता ने पूरे विश्व में चमत्कार कर दिखाया, जिससे कालिदास का भारत भी अछूता नहीं रहा। यह था एक भाषा के महान् कवि का दूसरी भाषा के महान् कवि को सम्मान देने का अनूठा उदाहरण। ऐसे उदाहरण दुर्लभ भी हैं, वन्दनीय भी।

नर्सरी के बच्चों को 'क से काबा', 'म से मस्जिद' पढ़ाया

रायसेन में एबीवीपी का स्कूल में हंगामा; प्राचार्य ने कहा- म से मंदिर भी पढ़ा सकते हैं

रायसेन (नप्र)। रायसेन में एक निजी स्कूल में नर्सरी के बच्चों को 'क से काबा', 'म से मस्जिद', 'न से नमाज' और 'औ से औरत हिजाब में थी' जैसे शब्द पढ़ाए जा रहे थे। इसे लेकर शुक्रवार को परिजन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में हंगामा कर दिया।

बच्चों के पेरेंट्स और कार्यकर्ताओं ने इस सामग्री को सनातन संस्कृति के खिलाफ बताया। इस दौरान प्राचार्य ने कहा कि 'म से मस्जिद के साथ म से मंदिर भी पढ़ाया जा सकता है'। इस पर कार्यकर्ता और भड़क गए। कार्यकर्ताओं ने स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को फोन पर शिकायत दर्ज कराई।

हंगामे की सूचना पर थाना कोतवाली प्रभारी नरेंद्र गोयल मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को थाने और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आवेदन देकर औपचारिक शिकायत करने की सलाह दी।

परिजन ने किताबें देखी तब हुआ खुलासा

यह मामला तब सामने आया जब स्कूल की नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा के चाचा ने उसकी किताबें देखी। उन्होंने 'औ से औरत हिजाब में थी' पढ़ने के बाद अन्य शब्दों पर ध्यान दिया। इसमें 'क से कबूतर' की जगह 'क से काबा', 'म से मछली' की जगह 'म से मस्जिद' और 'न से नल' की जगह 'न से नमाज' लिखा था। इस पर परिजनों ने आपत्ति जताई और एबीवीपी को जानकारी दी।

प्राचार्य ने कहा- भोपाल से मंगवाया किताबों का सेट

स्कूल की प्राचार्य ईए कुरैशी ने कहा कि उन्होंने किताब की सामग्री पहले नहीं जांची थी। यह 'पट्टी पहाड़ा' भोपाल से मंगवाया गया था। इसका उपयोग केवल एक ही छात्र के लिए किया गया था। प्राचार्य ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वे 30 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

डीईओ ने कहा- मान्यता रद्द करने पत्र लिखेंगे

जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक का कहना है कि इस टाइप का कोई पट्टी पहाड़ा है तो उसे जब्त कर जांच कराई जाएगी। स्कूल की मान्यता रद्द करने के लिए जेडी को पत्र लिखेंगे।

एबीवीपी ने कहा- बच्चों को भ्रमित किया जा रहा

प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक अश्विनी पटेल ने आरोप लगाया कि यह हिंदू संस्कृति और सनातन परंपरा के खिलाफ एक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को इस तरह की सामग्री पढ़ाकर भ्रमित किया जा रहा है। हमने तो बचपन में 'क से कबूतर' और 'म से मछली' पढ़ा था। यह बदलाव अस्वीकार्य है।

इंदौर से कटनी जा रही युवती ट्रेन से लापता

उमरिया स्टेशन पर मिला बैग; सिविल जज की तैयारी कर रही थी

भोपाल (नप्र)। इंदौर से कटनी जाने के लिए निकली 29 साल की युवती अर्चना तिवारी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई है। अर्चना 7 अगस्त की सुबह इंदौर से कटनी के लिए निकली थी। वह ट्रेन नंबर 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच में सीट नंबर 3 पर सफर कर रही थी।

बताया जा रहा है कि युवती इंदौर से रवाना हुई और भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन तक पहुंची, लेकिन इसके बाद ट्रेन में दिखाई नहीं दी। उसका बैग उमरिया स्टेशन पर मिला, लेकिन वह खुद कहां गई। इसका अब तक पता नहीं चल सका है।

युवती के परिजन के अनुसार, अर्चना मंगल नगर, कटनी की निवासी है और वर्तमान में इंदौर में रहकर सिविल जज की परीक्षा की तैयारी कर रही थी। साथ ही वकालत भी कर रही थी। ट्रेन में सफर के दौरान परिवार वालों से आखिरी बार उसकी बात सुबह 10:15 बजे हुई थी। तब ट्रेन भोपाल के आसपास थी। इसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद है।

परिजनों ने जब कटनी स्टेशन पर उसका इंतजार किया और वह नहीं पहुंची, तो तत्काल तलाश शुरू की गई। परिजन ने उमरिया स्टेशन पर मौजूद रिश्तेदारों को सूचना दी। जब रिश्तेदारों ने ट्रेन का इंतजार किया तो उन्हें युवती का बैग उमरिया में मिला, लेकिन अर्चना नहीं मिली। ट्रेन के अन्य यात्रियों ने बताया कि वह इंदौर से भोपाल तक ट्रेन में देखी गई थी, लेकिन भोपाल के बाद ट्रेन में वह मौजूद नहीं थी।

युवती की तलाश के लिए भोपाल सहित ट्रेन के रूट पर पड़ताल- जीआरपी कटनी से सब इंस्पेक्टर अनिल मरावी ने बताया कि युवती इंदौर से कटनी के लिए रवाना हुई थी। परिजन का कहना है कि वह पढ़ी-लिखी और समझदार है। सिविल जज की तैयारी कर रही थी। ऐसे में अचानक ट्रेन से उतर जाना या गुम हो जाना संदिग्ध लगता है।

हमने मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ है। पुलिस को अभी तक कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। जिससे यह पता चल सके कि युवती ट्रेन से कब और कहां उतरी?

सब इंस्पेक्टर ने बताया कि उन्होंने परिजन से युवती की फोटो लेकर पुष्टि कर ली है और लापता रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। अर्चना तिवारी की तलाश के लिए भोपाल समेत ट्रेन के पूरे रूट पर जानकारी जुटाई जा रही है।

रक्षाबंधन पर बढ़ी रीवा जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग

स्पेशल ट्रेन में जोड़े 4 कोच, 304 सीटें बढ़ाईं

भोपाल (नप्र)। रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही ट्रेनों में भोपाल से रीवा जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों से इस रूट की अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी थीं और लंबी प्रतीक्षा सूची बन गई थी। ऐसे में यात्रियों की परेशानी को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है।

रेल प्रशासन ने गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-रीवा स्पेशल एक्सप्रेस में 2 स्लीपर और 2 एसी थर्ड क्लास कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे करीब 304 अतिरिक्त यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी। रेलवे का कहना है कि यह कदम खासतौर पर त्योहारी भीड़ को देखते हुए उठाया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बिना परेशानी अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

शाम 7:35 बजे रवाना होगी ट्रेन- यह स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति से शुक्रवार, 8 अगस्त को शाम 7:35 बजे रवाना होगी और विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर व सतना होते हुए दूसरे दिन सुबह 6:20 बजे रीवा पहुंचेगी। रेल प्रशासन ने अपील की है कि यात्री यात्रा से पूर्व गाड़ियों की समय-सारिणी और ठहराव की जानकारी के लिए 'रेल मदद 139' हेल्पलाइन या एनटीईएस ऐप का इस्तेमाल करें।

मंदसौर में शिक्षक ने छात्राओं को बेड टच किया

पांच बालिकाओं ने परिजन को बताई आरोपी की करतूत; डीईओ ने निलंबित किया

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर के पिपलिया सोलंकी गांव के सरकारी स्कूल में एक शिक्षक पर छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप है। परिजन के अनुसार, शिक्षक फूल मोहम्मद कादरी ने तीसरी से पांचवीं कक्षा की 5 छात्राओं के साथ लगातार अनुचित व्यवहार किया।

घटना की जानकारी गुरुवार को उस वक्त लगी जब डरी-सहमी छात्राएं घर पहुंचीं और परिजन को आपबीती सुनाई। मामला सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने आरोपी फूल मोहम्मद कादरी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

परिजन ने स्कूल पहुंचकर किया हंगामा- छात्राओं की बात सुनकर परिजन आक्रोशित हो गए और गुरुवार दोपहर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ स्कूल पहुंचकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने आरोपी शिक्षक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

परिजन का आरोप है कि शिक्षक 55 वर्षीय फूल मोहम्मद पिछले 15 दिनों से छात्राओं के साथ बेड टच जैसी अश्लील हरकतें कर रहा था। छात्राएं डर के कारण कुछ दिनों तक चुप रहीं, लेकिन गुरुवार को परिजन को पूरी घटना बताई।

यूपी का रहने वाला है आरोपी- थाना प्रभारी राजेंद्र पंवार ने बताया कि परिजन की शिकायत पर शिक्षक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। छात्राओं के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी फूल मोहम्मद कादरी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसकी पत्नी का डेढ़ साल पहले निधन हो चुका है। उसकी तीन बेटियां हैं। पूछताछ में शिक्षक ने आरोपों को निराधार बताया है। हालांकि, पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

स्कूल में एक ही शिक्षक था पदस्थ- इस स्कूल में एक ही शिक्षक फूल मोहम्मद था। मंदसौर जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ग्रामीणों और परिजन ने मांग की है कि आरोपी को सख्त सजा दी जाए और विद्यालयों में निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाए।

बच्चों को सांदीपनि स्कूल में शिफ्ट किया- मल्हारगढ़ बीआरसी शिशिर विजयवर्गीय ने बताया कि सोलंकी गांव के शासकीय प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले 18 बच्चों को शुक्रवार को मल्हारगढ़ सांदीपनि विद्यालय में शिफ्ट किया गया है।

लोकेंद्र सिंह को राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग ने अपने राष्ट्रीय सम्मानों की घोषणा की है, जिसमें इस वर्ष का राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान लोकेन्द्र सिंह राजपूत को प्रदान किया जाएगा। संस्कृति विभाग यह सम्मान प्रतिवर्ष हिन्दी सॉफ्टवेयर सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि लोकेन्द्र सिंह देश के जाने-माने ब्लॉगर हैं। सोशल मीडिया और डिजीटल ऑडियो-वीडियो प्रोडक्शन में उनकी सक्रियता है। उनकी डॉक्युमेंट्री फिल्में राष्ट्रीय पुरस्कारों से पुरस्कृत हैं। नागरिकों को सोशल मीडिया का प्रशिक्षण देने में भी उनकी सक्रियता रहती है। इससे पूर्व मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी भी 'फेसबुक/ब्लॉग/नेट' हेतु 'अखिल भारतीय नारद मुनि' पुरस्कार से अलंकृत कर चुकी है। वर्तमान में आप माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में सहायक प्राध्यापक हैं।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया जायेगा रक्षाबंधन का त्यौहार, जगह-जगह लगी राखी की दुकान, बाजारों में रही भीड़

रक्षाबंधन आज, बहनें पूरा दिन बांध सकेंगी भाईयों को राखी

बैतूल। आज जिलेभर में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। इस इस बार रक्षाबंधन पर बहनों को राखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 9 अगस्त शनिवार को मनाए जा रहे रक्षाबंधन पर दिनभर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। वैसे रक्षाबंधन को लेकर शुक्रवार भी बाजारों में भारी भीड़ रही। जगह-जगह राखी की दुकानें लगी थी। भाईयों को राखी बांधने के लिए बहनों ने खरीदी की। इससे बाजारों में भीड़ देखने को मिली और बाजार भी गुलजार हो गये है। कोठीबाजार, गंज क्षेत्र सहित अन्य जगहों पर करीब दो सैकड़ा से अधिक स्थानों पर राखी की दुकानें लगी हुई है। दुकानों पर बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियां आई है, जो आकर्षण का भी केंद्र बनी हुई है। इसके अलावा बड़ों के लिए भी कई वैरायटी की राखियां दुकानों में उपलब्ध है। शहर के राखी व्यापारी मट्टू जैन, सूर्यकांत सोनी ने बताया कि रेशम की धागों और मेटल की राखियां बहनों की पहली पसंद बन गई है। वहीं कार्टून वाली राखियों में डोरेमोन, छोटा भीम, मोटू- पतलू, स्पाइडर-मैन, सुपरमैन, शक्तिमान, हेलीकॉप्टर, डिजिटल घड़ी सहित रुद्राक्ष और अन्य किरदारों की राखियां की भरमार है और यह राखियां बच्चों की पहली पसंद बनकर उभर रही है। इन राखियों की शुरुआत कीमत 10 रुपए से लेकर 150 और 350 रुपए तक है।

20 प्रतिशत बढ़े राखी के दाम – पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 20 प्रतिशत तक राखी महंगी हुई है। पिछले वर्ष जो राखी 10 से 20 रुपए बिक रहीं थी, इस बार वहीं राखियां 30 रुपए तक में बिक रही है। राखी के अलावा नारियल, कपड़ा, सराफा सहित अन्य सामग्री के दामों में भी वृद्धि हुई। चांदी महंगी होने से इस बार इसकी राखी भी महंगी है। मामाजी ज्वेलर्स के नवीन तातेड़ ने बताया कि चांदी के भाव में वृद्धि होने से डिजाइन वाली राखियों के दामों में बढ़ोतरी की गई है। कम वजनी राखियों को आकर्षक ढंग से बनाया गया है। जिससे कि ग्राहकों को बजट के हिसाब से राखी मिल सके। राखी के बाद ही एक के बाद एक त्योहार आते हैं, ऐसे में व्यापारियों का कहना है कि महंगाई आगे भी जारी रहेगी।

शहर में सजी 200 से अधिक राखी की दुकानें – शहर के मुख्य चौक सहित मेन मार्केट में करीब 200 से अधिक छोटी-बड़ी राखी की दुकानें लगी है। महंगाई बढने से राखियां सहित चूड़े, रूमाल, श्रृंगार सामग्री के भाव में वृद्धि हुई है। राखी व्यापारी सूर्यकांत सोनी बताते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस बार स्टॉक कम किया है। ग्राहकों को जो सबसे अधिक पसंद है, ऐसी राखियों की ही खरीदी की है। जिससे कि उन्हें कम कीमत में अच्छी वस्तु उपलब्ध कराई जा सके। जिसमें 10 से लेकर 350 रुपए तक की राखियां की कई वैरायटी रखी गई है। बच्चों की सभी पसंदीदा कार्टून राखी भी बाजार में उपलब्ध है।

बाजारों में रहे सुरक्षा के कड़े इंतजाम – रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ रही। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए रक्षासूत्र खरीदे, वहीं भाईयों ने अपनी बहनों को मनपसंद उपहार भेंट करने के लिए जमकर खरीदारी की। आज रक्षाबंधन है और इस दिन बहनें भाइयों का राखी यानी रक्षासूत्र बांधती है। इसे लेकर शुक्रवार शहर के बाजारों में ग्राहकों की खासी भीड़ देखी गई। रक्षाबंधन पर्व को लेकर शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र कोठीबाजार में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। प्रमुख रूप से कोठी बाजार के सीमेंट रोड, लल्ली चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारू संचालित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा बेरिकेड्स लगाकर व्यवस्था बनाई गई है। इसके अलावा गंज क्षेत्र सहित कई पॉइंट पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

विधायक नीना वर्मा ने विस में उठाया डूब प्रभावितों के पुनर्वास का मुद्दा

धरमपुरी (इब्राहिम रिजवी)। सरदार सरोवर परियोजना के बैकवाटर धरमपुरी सहित धार - बड़वानी जिले के डूब प्रभावितों को 2004 में ही आवासीय भूखंड आवंटन हो गये थे और उस वक्त भूखंड के साथ अधिकार पत्र दिए थे। 21 वर्ष बीतने के बाद भी डूब प्रभावितों को भूखंड की रजिस्ट्री व भूखंड अधिकार प्राप्तकर्ता की मृत्यु के बाद उनके वारिसों को भूखंड का नामांतरण कराने और पुनर्वास स्थल के विकास का मुद्दा धार विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा ने विधानसभा में उठाया।

मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने सदन को आश्वस्त करते हुए धरमपुरी सहित धार -बड़वानी जिले के डूब प्रभावितों के लिए कहां कि प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही इसके सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे।

उल्लेखनीय है कि सरदार सरोवर परियोजना के बैकवाटर से डूब प्रभावित धरमपुरी व धार और बड़वानी के डूब प्रभावितों को शासन द्वारा 2004 में भूखंड आवंटित किए कर अधिकार पत्र दिए थे। लेकिन 21 वर्षों के बाद भी प्रभावितों को न तो रजिस्ट्री के अधिकार मिले और न ही भूखंड प्राप्तकर्ता की मृत्यु होने पर वारिसों को भूखंडों का नामांतरण हो रहा है। प्लॉट की रजिस्ट्री न होने से मकान निर्माण के लिए डूब प्रभावितों को बैंक लोन नहीं मिलता। राज्य मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने श्रीमती नीना विक्रम वर्मा के प्रश्न के उत्तर में कहा कि शासन ने मालिकाना हक दिए जाने की कार्यवाही कर दी है। और जो डूब प्रभावितों की मृत्यु हो चुकी है और जो वारिस हैं और उन्होंने उचित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हैं तो उनके नामांतरण की कार्यवाही करके उनके भूखंड के आवंटन पत्र सरकार प्रदान कर रही है। और अभी तक आठ प्रकरणों में विधिक वारिसों को भूखंड प्रदान करने का काम सरकार ने किया है। दूसरे प्रश्न भूखंडों की रजिस्ट्री नहीं की जा सकती? के जवाब में कहा कि भू -स्वामित्व योजना आई है इसके अंतर्गत इन सारे भूखंडों को भू-सवामित्व योजना के अंतर्गत लेकर भविष्य में सरकार रजिस्ट्री का प्रावधान भी करने वाली है। राज्यमं?त्री ने आगे कहा कि सरदार सरोवर परियोजना में जहां भूखंड आवंटित किए गये थे,उस जगह को आबादी घोषित करने की प्रक्रिया जारी करेंगे। और भू- स्वामित्व योजना जो मुख्यमंत्री जी ने लागू की है तो भू- सवामित्व योजना के अंतर्गत सभी भूखंड धारकों को उसका मालिकाना हक देने का काम करेंगे और निश्चित रूप से सभी भूखंड धारकों को मालिकाना हक देने का काम करेंगे और मालिकाना हक मिलने के बाद अगर वह भूखंड का विक्रय भी करना चाहते हैं तो वो कर पाएंगे।

रक्षाबंधन हमारी संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक मूल्यों को सशक्त करने वाला त्योहार: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

सरकार पूरी निष्ठा के साथ भाई की तरह निभा रही है प्रदेश की बहनों और माताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह पर्व हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा को अभिव्यक्त करता है। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और आपसी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह पर्व हमें नारी सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'लाड़ली लक्ष्मी योजना' और 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' जैसी योजनाएं बहनों को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा 'लाड़ली बहना योजना' की राशि को रू. 1250 से बढ़ाकर रू. 1500 करना, मातृशक्ति के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह निर्णय बहनों के आर्थिक आत्मबल को बढ़ाएगा और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक सशक्त बनाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जैसे भाई अपनी बहनों के प्रति जिम्मेदार होता है, वैसे ही सरकार भी प्रदेश की बहनों और माताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभा रही है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों, विशेषकर सभी बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की है।

स्मार्ट मीटर की भ्रांतियां दूर करने बैतूल में आयोजित मीडिया वर्कशॉप में पत्रकारों के प्रश्नों के दिए जवाब

बैतूल जिले के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को 21 हजार से अधिक की छूट

बैतूल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 1 लाख 24 हजार 701 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ देते हुए जुलाई 2025 में कुल 1 करोड़ 8 लाख 59 हजार 82 रुपये की रियायत दी गई है, जिसमें बैतूल वृत्त के 63 उपभोक्ताओं को 21 हजार 312 रुपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को नए टैरिफ ऑर्डर के अनुसार अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में सुबह 9 से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं हेतु यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। यह उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। यह बात मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक बैतूल वृत्त अनूप सक्सेना ने स्मार्ट मीटर से होने वाले लाभ तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं, जैसे ग्रामीण क्षेत्र में 5 रुपये में नवीन कनेक्शन, सोलर रूफटॉप आदि को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय बैतूल के सभाकक्ष में आयोजित मीडिया कार्यशाला में कही।

इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक बैतूल-उत्तर अभय कुमार गोप, उप महाप्रबंधक बैतूल-दक्षिण भूपेन्द्र बघेल, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी मनोज द्विवेदी, प्रबंधक (मानव संसाधन) प्रवीण वी.मिंज, प्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) कैलाश चौधरी, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी के प्रतिनिधि ओम राठौर एवं राज्य सरकार के सहायक संचालक जनसंपर्क विभाग रोमित उईके सहित सैकड़ों मीडियाकर्मी उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते महाप्रबंधक अनूप सक्सेना ने कहा कि स्मार्ट मीटर सभी के लिए फायदेमंद और उपभोक्ताओं के हित में हैं, इसलिए सभी को स्मार्ट मीटर लगाने में कंपनी का सहयोग करना चाहिए।

दुर्लभ रोगों के इलाज का प्रमुख केंद्र है एम्स भोपाल, मरीजों को मिल रही विशेषज्ञ सेवाएं

भोपाल। एम्स भोपाल चिकित्सा सेवाओं और अनुसंधान के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। संस्थान को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की दुर्लभ रोगों की राष्ट्रीय नीति के अंतर्गत दुर्लभ रोगों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस मान्यता के तहत एम्स भोपाल में उन रोगों के इलाज और देखभाल की सुविधा उपलब्ध है, जो विरले और आनुवंशिक कारणों से होते हैं। इनमें लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर, जेनेटिक मेटाबॉलिक बीमारियाँ, डुचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी,स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी और अन्य वंशानुगत विकार शामिल हैं। दुर्लभ रोग अक्सर समय पर पहचाने नहीं जा पाते और सही इलाज के अभाव में मरीजों और उनके परिवारों को भारी मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में एम्स भोपाल में यह सुविधा मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक बड़ी राहत है। यह केंद्र न केवल इन रोगों की समय पर पहचान और उन्नत जांच की सुविधा प्रदान करता है, बल्कि पीड़ितों को वैज्ञानिक और समग्र इलाज भी उपलब्ध कराता है।

यहाँ काम कर रही विशेषज्ञ टीम मरीजों को लंबे समय तक आवश्यक परामर्श और सहयोग भी प्रदान करती है। दुर्लभ रोगों के लिए यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित है। दवाओं, उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों के लिए कुल रू. 9.4 करोड़ का अनुदान दिया गया है। यह सुविधा मध्य भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों को इलाज के लिए अन्य महानगरों में नहीं जाना पड़ेगा। एम्स भोपाल में ही उन्हें गुणवत्तापूर्ण और सुलभ उपचार मिलेगा। दुर्लभ रोग भले ही व्यक्तिगत रूप से कम हों, लेकिन सामूहिक रूप से ये बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करते हैं। एम्स भोपाल का यह सेंटर ऐसे मरीजों के जीवन में एक नई उम्मीद और सहारा बनकर कार्य कर रहा है। यह पहल संस्थान की चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और उसकी जन-हितैषी सोच को दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ईव्हीएम गोडाउन का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईव्हीएम गोडाउन का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल सहित निर्वाचन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में 104 हितग्राहियों की विशेष एक्सरे मशीन से की गई टीबी स्क्रीनिंग

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सांची विकासखण्ड के ग्राम कायमपुर में सीएमएचओ डॉ एचएन मांद्रे एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ यशपाल बाल्यान के निर्देशन में 06 अगस्त को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें क्षय रोग (टीबी) की जांच हेतु विशेष एक्सरे मशीन के माध्यम से चेस्ट एक्सरे कर टीबी स्क्रीनिंग की गई। शिविर में सात संभावित टीबी रोगी को चिह्नांकित किया गया। डॉ रवि राठौर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी सांची द्वारा बताया गया कि शिविर में 104 हितग्राहियों की स्क्रीनिंग सघन टीबी मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत की गई। शिविर में बताया गया कि सिर्फ खांसी ही टीबी का लक्षण नहीं है इसके साथ अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। टीबी इन्फेक्शन की जांच हेतु 23 लोगों का जांच भी करवाया गया जिसमें पॉजिटिव आने पर टीपीटी उपचार दिया जाएगा। शिविर का संचालन जिला क्षय अधिकारी डॉ यशपाल बाल्यान की निगरानी में किया गया। शिविर में कुल 104 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे की कार्रवाई की गई, जिसमें से 7 संभावित रोगियों के सैम्पल जांच हेतु लिए गए।

अवैध मदिरा के विरुद्ध की गई कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रह, विक्रय एवं परिवहन की रोकथाम के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा बुधनी वृत्त के अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। दबिश में 61 लीटर मदिरा जब्त की गई, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 15 हजार रूपये है। इसके साथ ही 08 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती संगीता नायक एवं आबकारी टीम द्वारा की गई।

हरदा और खिरकिया में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 8 प्रकरण दर्ज

हरदा (निप्र)। जिला हरदा में अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए खिरकिया और हरदा क्षेत्र में एक साथ दबिश दी। इस कार्रवाई में कुल 08 प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि 02 कम्पोजिट मदिरा दुकानों का निरीक्षण भी किया गया। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री रितेश कुमार लाल के मार्गदर्शन में, सहायक जिला आबकारी अधिकारी ए.एस. बघेल एवं डी.एस. चौहान के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। टीम ने खेड़ीपुरा, बैरागढ़, खिरकिया, पटेल ढाबा और भिरंगी (खिरकिया) में छापेमारी कर 24 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब, 10 पाव देशी शराब, बीयर की कैन, तथा 460 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद की। मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(1)(च) एवं 36(क) के तहत कुल 08 प्रकरण दर्ज कर विमला बाई कुचबंदिया, क्षमा कुचबंदिया, साची कुचबंदिया, गीता बाई, रवीना बाई और आशीष राजपूत के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई। जब्त किए गए अवैध मदिरा सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 5,29,900 आँका गया है। इसके अतिरिक्त, खिरकिया सिटी और चौकड़ी रोड स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया, जहाँ कुछ अनियमितताएँ पाई गईं, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम स्कूलों, आंगनवाड़ियों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों के संचालन पर निगरानी रखें: कमिश्नर

मैदानी क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का सुचारू संचालन हो शासकीय चिकित्सकों द्वारा मरीजों के साथ संयम के साथ उत्तम व्यवहार रखा जाए स्वास्थ्य विभाग की आमजन के बीच सहयोगी एवं भरोसेमंद छबि निर्मित हो : संभागायुक्त श्री के.जी. तिवारी

हरदा (निप्र)। नर्मदापुरम् संभाग के आयुक्त श्री के.जी. तिवारी ने कहा है कि जिले के सभी एसडीएम अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत स्कूलों, आंगनवाड़ियों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों के संचालन की नियमित निगरानी करें। वे मैदानी क्षेत्रों का सतत भ्रमण कर सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के प्रति सजग रहें। विकास कार्यों पर भी उनकी नजर रहे। अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों का दायित्व है कि उनके क्षेत्र अंतर्गत सभी शासकीय मैदानी इकाईयां मुस्तैदी से कार्य करें। बुधवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने कहा कि शासकीय अस्पतालों के चिकित्सकों का विपरीत परिस्थितियों में भी मरीजों से संयम के साथ उत्तम व्यवहार रहे। स्वास्थ्य विभाग की आमजन के विभाग की आमजन के बीच सहयोगी एवं भरोसेमंद छबि स्थापित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, उपायुक्त श्री जी.सी. दौहर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने राजस्व वसूली कार्य में गति लाने के निर्देश दिये। पीएम किसान योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में पीएम किसान योजना के 98 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिस पर उन्होने कहा कि प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर

शतप्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण की जाए। किसानों का बैंक खातों से आधार लिंकिंग का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण हो। बैठक में उन्होने फार्मर रजिस्ट्री एवं वन व्यवस्थापन के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि सीमांकन के दर्ज प्रकरणों में 1238 प्रकरण निराकृत किये जा चुके है, 27 प्रक्रियाधीन है। इसी तरह के बंटवारा के 595 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है। रास्ता विवाद के 31 प्रकरण भी निराकृत किये गये हैं। इसी तरह अभिलेख दुरूस्ती के 515 प्रकरणों का भी निराकरण किया जा चुका है। आयुक्त ने उक्त सभी में शेष प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होने सायबर तहसील के माध्यम से निराकृत किये जा रहे मामलों की भी समीक्षा की। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के अधिकारियों को निर्देश दिये। ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तिय वर्ष में मनरेगा अंतर्गत 1057 कार्य पूर्ण किये जा चुके है एवं 7632 कार्य प्रगतिरत हैं। आयुक्त ने प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए मजदूरों के समय पर भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत पुराने कार्य ज्यादा समय लंबित न रहें। ''एक बगिया माँ के नाम'' योजना अंतर्गत शीघ्रता से हितग्राहियों के चयन का कार्य पूर्ण कर आगामी 15 अगस्त से बगिया निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। माँ नर्मदा परिक्रमा पथ के 5 स्थानों पर 500-500 पौधों के रोपण की भी अविलम्ब तैयारी करने के लिये निर्देश दिये गये। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत जिले में लक्ष्य के विरूद्ध 95.10 प्रतिशत आवास निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। आवास प्लस में लक्ष्य के विरूद्ध 90.75 प्रतिशत आवास स्वीकृत किये जा चुके हैं। एसआरएलएम अंतर्गत रोजगार मेलों के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता के बेहतर कार्य करने की बैठक में अपेक्षा की गई। ग्रामीण यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभाग अंतर्गत निर्माणाधीन कुल 32 कार्यों में से वित्तीय वर्ष में 5 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, 27 प्रगतिरत हैं, जिनको समय सीमा में पूर्ण करने के आयुक्त द्वारा निर्देश दिये गये।

एक पौधा लगाना है, पर्यावरण को बचाना है के उद्घोष के साथ ग्राम में रेली निकाली

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद स्वच्छिकता के आधार पर महिलाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के तहत आज ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति महोटी चयनित नवांकुर संस्था सैक्टर उनारसी कला के महोटी बाजार चौक से सभी महिलायें एकत्र हुईं और ढोल नगाड़ो से रेली निकाली जिसमें महिलाओं ने कलश लेकर और हाथों में पौधे लेकर एक पौधा लगाना है, पर्यावरण को बचाना है के उद्घोष लगाते हुए ग्राम में रेली निकाली। इस कार्य क्रम में ग्राम की महिलाओं सहित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला संवयक श्रीमति पूजा श्रीवास्तव, ब्लॉक संवयक श्रीमति सरिता पाठक, मेंटर सुरेश कुशवाह, अनिल साहू, अध्यक्ष दिनेश साहू, सैक्टर प्रभारी अनिल कुशवाह सहित समिति सदस्य राजू प्रजापति, राजू धाकड़, लाखन कुशवाह, दीपक साहू, राजेन्द्र कुशवाह, बब्लू कुशवाह और ग्रामीण भी सम्मिलित हुए। - ग्राम पंचायत बापचा में नवांकुर सखी

कार्यक्रम - इसी क्रम में आनंदपुर सेक्टर 03 स्थित ग्राम पंचायत बापचा में नवांकुर सखी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सभी नवांकुर सखी का स्वागत किया गया सभी नवांकुर सखियों ने कलश यात्रा एवं पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में सभी नवांकुर सखियों को पौधे प्रदान किये गए। इस दौरान ब्लॉक समन्वयक परामर्शदाता सहित अन्य सदस्यों और गांव के सभी नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

रायसेन में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार विधिक सेवा, प्रकृति की रक्षा हेतु ''पंच ज'' अभियान के अंतर्गत 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक संचालित प्रदेश व्यापी वृक्षारोपण विशेष अभियान के तहत प्रधान जिला न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में बुधवार को पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय रायसेन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अनिल कुमार सोहाने, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कानपुरसे सहित जिला न्यायालय रायसेन के समस्त न्यायाधीशों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम में जिला न्यायालय से विशेष न्यायाधीश श्री अरविन्द रघुवंशी, तृतीय जिला न्यायाधीश श्री कमलेश कुमार इटावदिया, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री सचिन जैन, चतुर्थ जिला न्यायाधीश श्री सुनील कुमार शौक, द्वितीय जिला न्यायाधीष श्री महेश कुमार माली, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अजय कमार यदु, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन श्रीमती हर्षिनी यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सौम्या साहू अस्थाना, श्री संचित अस्थाना, विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. के. रूद्र एवं शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

आईटीआई पाठयक्रमो की जानकारियां सांझा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा जिले की शासकीय आईटीआई में संचालित ट्रेड, पाठयक्रमों की जानकारियां हाई स्कूल के विद्यार्थियों को देने के लिए विशेष पहल की जा रही है इसके लिए बकायदा स्कूलो, छात्रावासो में जागरूकता सह जानकारी संबंधी सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है ताकि अध्ययनरत विद्यार्थी आईटीआई की स्वेच्छा संबंधी ट्रेड में सुगमता से दाखिला ले सके।

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा दिए निर्देशो के अनुपालन में गत दिवस 11 स्कूलो व एक छात्रावास में सेमीनार के माध्यम से 183 बालिकाओं को कॉल करके आईटीआई के बारे में जानकारियां दी गई। आईटीआई विदिशा के द्वारा हायर सेकेण्डरी स्कूल शेरपुरा कन्या विद्यालय व हांसुआ तथा शासकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास टीलाखेडी में कार्यक्रमो के माध्यम से जानकारियां दी गई है इसी प्रकार आईटीआई गंजबासौदा के स्टाप द्वारा राजेन्द्र नगर स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल गंजबासौदा, शासकीय हाई स्कूल गांधी चैक आईटीआई सिरोंज के द्वारा शासकीय विद्यालय कन्या स्कूल सिरोंज, लटेरी आईटीआई के द्वारा शासकीय हाई स्कूल रूसल्ली, एकीकृत हाई स्कूल अलीगढकोटरा में तथा नटेरन आईटीआई के द्वारा सांदीपनि स्कूल नटेरन में, कुरवाई आईटीआई के द्वारा शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भौरासा में और शासकीय हाई स्कूल सीहोरा में इसके अलावा आईटीआई ग्यारसपुर के स्टाप द्वारा आईटीआई से संबंधित जानकारियां देने के लिए शासकीय हाई स्कूल इन्दरवास में सेमीनार का आयोजन किया गया था।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा फरार आरोपी की सूचना देने वालो को तीन हजाररूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना सिविल लाइन विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 206/2025 के फरार आरोपी हरनाम पुत्र धन्नालाल अहिरवार निवासी ग्राम सुआखेडी थाना गुलाबगंज विदिशा की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

पीएम श्री जयवंती हाक्सर महाविद्यालय में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। पीएम श्री जयवंती हक्सर महाविद्यालय बैतूल में 6 अगस्त को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य, उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 380 विद्यार्थियों का पंजीयन कर जांच की गई, जिसमें 182 के रक्त परीक्षण, 79 दंत परीक्षण, 94 मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, 150 नेत्र परीक्षण एवं 150 आभा आईडी बनाई गई। सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि उमंग कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य पोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, अंसचारी बीमारी से रोकथाम, चोट और हिंसा को रोकना व लिंग आधारित हिंसा, नशीले पदार्थो के सेवन से रोकथाम है।

उन्होंने कहा कि हम जिस दौर में जी रहे है, देखने में आ रहा है कि बच्चों में सहन शक्ति में कमी एवं निर्णय लेने की क्षमता कम हो रही है। मोबाइल, वाट्सएप, फेसबुक से बच्चे के मन-

मस्तिष्क पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। डॉ हुरमाड़े ने पालको से कहा कि हमें इसका विशेष ध्यान रखना होगा कि बच्चा स्कूल जाते समय कई लोगों से मिलता है, किन लोगों के साथ बैठ रहा है, कहीं गलत संगत में तो नहीं जा रहा है। देखने में आया है कि आज-कल के बच्चे एवं युवा बहुत जल्दी उत्तेजित हो जाते हैं, छोटी-छोटी बातों पर भी न चाहते हुये ऐसे मन मुटाव हो जाते है, जिनके ऐसे परिणाम आते हैं, वे ऐसी घटनाओं को अंजाम दे देते हैं जो उनकी जिंदगी खराब कर देती है। आजकल देखा जा रहा है कि 15 वर्ष के बच्चे भी ऐसी गलत संगत में पड़ कर नशे के आदि हो जाते हैं, समाज में जो विकृति है इसे दूर करने के लिये स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पुलिस विभाग, शिक्षा एवं उच्च विभाग, मनो विज्ञानिक चिकित्सक, स्वयं सेवी संस्था के साथ-साथ जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इन सबको मनोनित किया जाना चाहिये।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आमला में विविध राष्ट्रभक्ति गतिविधियां आयोजित

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले के आमला क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में देशभक्ति से ओतप्रोत गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना एवं स्वतंत्रता दिवस के महत्त्व को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अभियान के तहत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंधारियां, इंडियन पब्लिक स्कूल इटावा, के सोनी प्ले स्कूल आमला सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों द्वारा रैली, पेंटिंग, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण एवं तिरंगा फहराकर देशभक्ति पूर्ण संदेशों का प्रसारण किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गर्व की भावना को प्रकट किया। जिले में हर घर तिरंगाअभियान को तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही हैं अनेक गतिविधियां

अभियान के तहत 06 अगस्त को जिलेभर में आयोजित की गई अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार 02 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में ÷हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान÷ चलाया जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीयता का भाव व राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है। इस अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों, अशासकीय एवं शासकीय संस्थाओं के छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टॉफ की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत 06 अगस्त को जिले में तिरंगा प्रेरित कला एवं तिरंगा प्रदर्शनी सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इसी प्रकार 07 अगस्त को ग्राम पंचायत एवं संस्था स्तर पर तिरंगा रंगोल, तिरंगा राखी निर्माण तिरंगा बुनाई आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 08

अगस्त को तिरंगा प्रश्नोत्तरी, तिरंगा सजावट, सैन्यबलों के जवान एवं पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि आयोजित किए जाएंगे। 11 अगस्त को तिरंगा फहराना, तिरंगा मेला, तिरंगा कंसर्ट, 12 अगस्त को तिरंगा रैली, तिरंगा यात्रा, 13 अगस्त को मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान और 14 अगस्त को घर, संस्था, कार्यालय पर ध्वज फहराना एवं सेल्फी अपलोड करना आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अभियान में स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के तहत गांवों में अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान सुजल गांव प्रतिज्ञाएँ, सामुदायिक सफाई अभियान परिसंपत्तियों की सफाई, जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। इसके साथ ही 15 अगस्त 2025 को अमृत सरोवर सार्वजनिक स्थानों सहित प्रमुख वॉश अवसंरचना स्थलों पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों, स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल समितियों, स्वंय सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, स्कूली बच्चों, स्वंयसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

संकट की घड़ी में सरकार आपके साथ : मुख्यमंत्री

बाढ़ प्रभावितों से सीएम ने किया सीधा संवाद, तीस करोड़ की राहत राशि बांटी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार संकट की घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से प्रदेश के 28 हजार से अधिक बाढ़ प्रभावितों को 30 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण कर प्रभावितों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की। उन्होंने प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी ली। शिवपुरी के श्री भागचंद, मऊगंज के श्री राधेश्याम साकेत, दमोह के श्री हेमराज, रायसेन के श्री गोविंद सिंह सेन, छिंदवाड़ा के श्री चंद्रमोहन सहित गुना और अन्य जिले के बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि इस वर्षाकाल में जैसी बाढ़ आयी, वैसी पहले कभी नहीं आयी थी। प्रशासन के द्वारा बाढ़ के दौरान हम प्रभावित परिवारों को कैम्प लगाकर रहने की व्यवस्था के साथ भोजन आदि की व्यवस्था भी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे संस्कार ही हैं कि कष्ट की इस घड़ी में भी ग्रामीणजन अपनी बात विनम्रता के साथ कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मानसून काल में अब तक 37 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है, जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी।

बाढ़ की स्थिति में सहायता के लिए टोल फ्री नं-1079 पर सम्पर्क करें

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक 729.1 एमएम वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से 37 प्रतिशत ज्यादा है, जो बहुत कम समय में तेजी से हुई। गुना, निवाड़ी, टीकमगढ़, मंडला एवं अशोकनगर में सर्वाधिक वर्षा दर्ज हुई। इस मानसून में अभी तक कुल 296 जनहानि तथा लगभग 1685 पशुहानि हुई है। साथ ही 299 मकानों पूर्ण रूप से क्षति होने की सूचना प्राप्त हुई है। लगभग 4114 मकानों में आंशिक क्षति भी हुई है। प्रदेश में अब तक 61 राहत कैम्प चलाये गये है, जिनमें 7345 लोगों को रखा गया। वर्तमान में मऊगंज में 02 राहत शिविर चालू है, जिसमें 175 लोग रह रहे हैं। प्रदेश में ज्यादातर सिंचाई डेम अभी 40 से 90 प्रतिशत के आस-पास भरे हैं एवं 04 डेम 100 प्रतिशत भरे हैं। साथ ही शासन द्वारा जनसामान्य को बाढ़ की स्थिति में 24-7 सहायता प्रदान की जाने के लिये टोल फ्री नं-1079 की व्यवस्था की गई है।

सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने वर्षाकाल में बाढ़ से निपटने के पहले से इंतजाम कर रखे थे। राज्य के मंत्रीगण और केन्द्रीय मंत्रीगण सभी से सम्पर्क बनाकर प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के प्रबंधन की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ के संकट से निपटने के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना के जवानों की जहां आवश्यकता पड़ी, वहां सक्रिय किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावितों को मदद करने में सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने इन संगठनों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान मिले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि शिवपुरी में दो व्यक्ति बाढ़ में 36 घंटे घिरे रहे और उन्हें प्रशासन ने बाढ़ से बाहर निकाला। इन व्यक्तियों का कहना था कि वे प्रशासन के प्रयासों से ही से बाढ़ से बाहर निकल सकें। इसी प्रकार गुना में बाढ़ प्रभावित महिलाओं से मिलने के दौरान सबसे पहले बहनों ने उन्हें राखी भेंट की। इसके बाद उन्होंने बाढ़ की बात कही। उन्होंने कहा कि बहनों ने अपने कष्ट की बात कहने से पहले राखी भेंट की, यह हमारी संस्कृति है।

अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत हमें रहना है सावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा ऋतु अभी समाप्त नहीं हुई है। हमें अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत सावधान रहना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को 28 करोड़ रूपए की राशि पहले दी जा चुकी है, 30 करोड़ की राशि आज दी गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि फसल की क्षति को छोड़कर है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का सर्वे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए सभी जिलों को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई गई है। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक पोरवाल इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान 2025 को बनाएं जन-आंदोलन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश अपनी स्वतंत्रता के 'अमृत काल' में प्रवेश कर रहा है। अमृत काल में 'हर घर तिरंगा' अभियान 2025, राष्ट्रीय ध्वज को हर भारतीय के घर तक पहुंचाने वाला एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन है। यह हमारी साझा पहचान, स्वतंत्रता और एकता का एक भव्य उत्सव है, जो तिरंगे की भावना से ओत-प्रोत है। यह केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र के सामूहिक गौरव और आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिनिधित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान 2025 में पूरे उत्साह, गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। यह अभियान 2 अगस्त से शुरू हुआ है जो 15 अगस्त 2025 तक चलेगा। यह देश की स्वतंत्रता और एकता का एक राष्ट्रव्यापी उत्सव है, जो हमारे गौरवशाली राष्ट्रीय ध्वज, तिरंगे की भावना से ओत-प्रोत है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अहम भाग के रूप में शुरू हुआ। यह अभियान अब एक शक्तिशाली जन आंदोलन बन चुका है, जिसमें पूरे भारत और दुनिया भर के भारतीय ले रहे हैं। इसका लक्ष्य प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति की भावना को जागृत करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को प्रगाढ़ करना है। तिरंगा, एक अद्वितीय और सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में, एक शक्तिशाली एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करता है। यह अभियान प्रभावी ढंग से देशवासियों में अपनेपन की सामूहिक भावना को बढ़ावा देगा।

'हर घर तिरंगा' अभियान के इस वर्ष के 3 शक्तिशाली चरण- इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान 2 अगस्त से शुरू होकर तीन शक्तिशाली चरणों में चलेगा, जिसमें जागरूकता निर्माण और जन जुड़ाव पर जोर दिया जाएगा।

अभियान के चरण और प्रमुख गतिविधियाँ

अभियान में पहले चरण 8 अगस्त तक जागरूकता बढ़ाने और तिरंगे की भावना को जन-जन तक पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा पर केंद्रित रंगोली निर्माण, प्रमुख स्थानों पर तिरंगे के इतिहास और महत्व पर आधारित प्रदर्शनी, पुलिस कर्मियों और सैनिकों को राखियाँ और पत्र भेजना, शासकीय भवनों पर तिरंगा रौशनी से प्रकाशित करना आदि गतिविधियां हुईं। दूसरे चरण में 9 अगस्त से 12 अगस्त तक लोगों के बीच सामुदायिक जुड़ाव और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें तिरंगा महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम और तिरंगा रैलियाँ प्रमुख रूप से आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तिरंगा क्विज का आयोजन किया जाएगा। अंतिम और तीसरा चरण, 13 से 15 अगस्त तक, व्यक्तिगत स्तर पर देशभक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित रहेगा। इसमें घरों पर झंडा फहराना और तिरंगे के साथ सैल्फी अपलोड करना शामिल है।

अभियान में भाग लेने के सरल तरीके

'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेना सरल और सभी के लिए खुला है। प्रदेशवासी तीन मुख्य तरीकों से इस राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बन सकते हैं -

स्वयंसेवक बनें: हरघर तिरंगा काम.पर पंजीकरण करें और तिरंगे का संदेश अपने परिवार, दोस्तों और समुदाय तक पहुंचाएं। दूसरों को सही ढंग से झंडा फहराने में मदद करें और तिरंगा सैल्फी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एमपी में 7 दिन से थमा बारिश का दौर

अब तक 28.7 इंच दर्ज ; ग्वालियर में सबसे ज्यादा, इंदौर-उज्जैन में स्थिति ठीक नहीं

भोपाल (नप्र)। एमपी में पिछले 7 दिन से तेज बारिश का दौर थमा हुआ है। किसी भी जिले में तेज पानी नहीं गिरा। इससे गर्मी का असर बढ़ गया है। गुरुवार को 10 से ज्यादा जिलों में दिन का पारा 34 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, अब तक प्रदेश में 28.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल बारिश का 77 प्रतिशत है। जून-जुलाई में स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अब तक 37 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। इसमें भी पूर्वी हिस्सा जैसे- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग ठीक है।

इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के 8 में से 5 जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है।

आज रक्षाबंधन पर 297 साल बाद खास संयोग

इस बार भद्रा से मुक्त रहेगा पर्व, देशभर में सबसे पहले महाकाल को अर्पित होगी राखी

उज्जैन (नप्र)। इस साल 9 अगस्त को देशभर में रक्षाबंधन खास संयोग के साथ मनेगा। भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक का ये पर्व इस बार श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, करण, मकर राशि में चंद्रमा और पूर्णिमा तिथि में मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, ऐसा योग 297 साल बाद बना है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला ने कहा- ग्रहों की वर्तमान स्थिति 1728 में बने दुर्लभ संयोग को दोहरा रही है। रक्षाबंधन पर 8 ग्रह उन्हीं राशियों में रहेंगे, जिनमें 1728 में थे। इनमें सूर्य कर्क, चंद्र मकर, मंगल कन्या, बुध कर्क, गुरु और शुक्र मिथुन, राहु कुंभ और केतु सिंह राशि में रहेंगे। ऐसे अद्भुत योग शताब्दियों में एक बार ही बनते हैं। जिससे इस बार का रक्षाबंधन और भी पुण्य फलदायी माना जा रहा है।

वहीं, देशभर में सबसे पहले शनिवार तड़के 3 बजे बाबा महाकाल को राखी अर्पित की जाएगी। यह खास राखी हर वर्ष पुजारी परिवार की महिलाएं ही तैयार करती हैं। वे बाबा महाकाल को अपना भाई मानकर ये राखी बनाती हैं।

सवा लाख लड्डुओं का भोग लगेगा- महाकाल को अर्पित की जाने वाली राखी इस बार मंदिर समिति के अमर पुजारी के परिवार की महिलाएं बना रही हैं। वे तीन दिन से इसमें जुटी हैं। मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग कर राखी पर भगवान गणेश को विराजित किया गया है। मान्यता है कि हिंदू रीति-रिवाज से मनाए जाने वाले सभी पर्वों की शुरुआत महाकाल मंदिर से ही होती है। भगवान महाकाल को राखी बांधने के बाद सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। ये लड्डू शुद्ध देसी घी, बेसन, शक्कर और ड्रायफ्रूट्स से तैयार किए जा रहे हैं।बाबा महाकाल को बांधी जाने वाली राखी मखमल, रेशमी धागे और मोती से बनाई जा रही है।

पूरे दिन बांधी जा सकेगी राखी

पंडित अमर डिब्बेवाला ने बताया कि रक्षाबंधन पर शनिवार को दोपहर 2:43 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। यह किसी भी काम को सफल बनाने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

इस बार ये भी खास है कि रक्षाबंधन भद्रा काल से मुक्त रहेगा। मुहूर्त और चौघड़िए के अनुसार रक्षा सूत्र या राखी बांधी जा सकेगी। इस दृष्टि से सुबह से दोपहर 2:40 तक शुभ मुहूर्त में रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा सकेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग भी इसी दिन

शनिवार को श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बनेगा। इस योग का समय मध्याह्न 2:40 तक रहेगा। इस दौरान पर्व काल तो मनेगा ही इसके बाद भी सायं काल में शुभ योग रहेंगे, जिनमें रक्षा सूत्र बांधा जा सकेगा। इसके अलावा कुल परंपरा के अनुसार समय के निर्धारण से रक्षा सूत्र बांधना उचित होगा।

बीए की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

पिता की मौत के बाद से डिप्रेशन में थी, पुलिस ने जांच शुरू की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में रहने वाली बीए फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। अरेरा हिल्स पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना गुरुवार रात की है, शुक्रवार को बॉडी का पीएम कराया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक सुरभि सौंधिया (19) पुत्री स्वर्गीय विनोद सौंधिया एमएलबी कॉलेज से बीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। तीन साल पहले उसके पिता की मौत हो गई थी। तब से ही युवती डिप्रेशन में रहने लगी थी। गुरुवार की रात मां किसी काम से घर से बाहर गई थी। इस दौरान सुरभि घर में अकेली थी।

जब वह लौटी तो घर का मेन गेट अंदर से लॉक था। काफी आवाजें देने के बाद भी जब गेट नहीं खुला तो मां ने पड़ोसियों को बताया। तब पड़ोसियों ने पुलिस को बुलाया और गेट को तोड़कर घर में प्रवेश किया। जहां बॉडी फंदे पर लटकी दिखी।

बॉडी का पोस्टमार्टम शुरू

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कमरे की तलाशी ली। तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के डिटेल बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं। शुक्रवार की सुबह हमीदिया अस्पताल में शव का पीएम कराया जा रहा है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दीं रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

भोपाल(नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि राखी का पर्व, भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का त्यौहार है। यह हमारी गौरवशाली संस्कृति के गरिमामय उत्कर्ष का प्रतीक है। भाई-बहन के पवित्र प्रेम, पारिवारिक समरसता और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा का उत्सव है। उन्होंने कहा कि राखी के पर्व पर हमें मातृ शक्ति के सम्मान, सहयोग और सशक्तिकरण में सहभागिता का संकल्प लेना चाहिए।

रक्षाबंधन पर भोपाल की सड़कों पर डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

पुराने शहर के बाजारों में चार पहिया वाहन ले जाने पर प्रतिबंध

भोपाल (नप्र)। रक्षाबंधन पर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदी करने वालों की भीड़ को देखते हुए भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार (9 अगस्त) को पार्किंग और यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। जुमेराती, चौक बाजार, न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट, बैरागढ़ समेत कई इलाकों में एक दिन के लिए अलग-अलग रूट डायवर्जन और पार्किंग स्थल तय किए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि भीड़ और जाम से बचने के लिए लोग अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें।

पुराना शहर में लोडिंग व चार पहिया वाहनों की एंट्री बंद

- जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौक, घोड़ा नक्कास चौक, हनुमानगंज और आजाद मार्केट जैसे भीड़भाड़ वाले आंतरिक बाजारों में त्योहार के दिन लोडिंग वाहन, ऑटो रिक्शा और चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।
- करोंद, डीआईजी बंगला, सिंधी कॉलोनी और शाहजहांनाबाद से आने वाले चार पहिया वाहन भोपाल टॉकीज चौराहे से बाल विहार ग्राउंड में पार्क होंगे।
- भारत टॉकीज की ओर से आने वाले दोपहिया वाहन सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में पार्क किए जाएंगे।
- संगम टॉकीज से सब्जी मंडी होकर आने वाले तीन और चार पहिया वाहन सब्जी मंडी परिसर में पार्क होंगे।
- लखेरापुरा, इतवारा, मारवाड़ी रोड, इब्राहिमपुरा से चौक बाजार जाने वाले वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। इन्हें सरस्वती स्कूल के पास मल्टीलेवल पार्किंग और सदर मंजिल के पास पार्क किया जाएगा।

10 नंबर मार्केट में वन-वे ट्रैफिक

भीड़ के समय वंदेमातरम् चौक से 10 नंबर मार्केट की ओर जाने वाले वाहन केवल 10 नंबर मार्केट तिराहे होते हुए नेशनल अस्पताल तक ही जा सकेंगे। इसी तरह साढ़े 10 नंबर स्टॉप से भी यही रूट रहेगा। नेशनल अस्पताल से 10 नंबर मार्केट और वंदेमातरम् चौक की ओर सीधा आवागमन बंद रहेगा।

न्यू मार्केट, एमपी नगर और बैरागढ़ में तय पार्किंग

न्यू मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग (टीटी नगर थाने के पास) का उपयोग करना होगा। भीड़ बढ़ने पर रंगमहल चौक से थाना चौक और टीटी क्रॉस से थाना चौक की ओर यातायात डायवर्ट किया जाएगा। एमपी नगर जोन-1 और बैरागढ़ (चंचल चौक) में भी मल्टीलेवल पार्किंग का उपयोग करना अनिवार्य होगा।

व्यापारियों से अपील

पुलिस ने कहा है कि व्यापारी माल लोडिंग- अनलोडिंग का काम केवल रात 12 बजे से सुबह 7 बजे के बीच करें। वहीं निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करें, जिससे जाम से बचा जा सके। भीड़भाड़ से बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना बेहतर होगा।

कुबेरेश्वर धाम आयोजन में प्रशासन की सीधी चूक

गृह विभाग की गाइडलाइन का नहीं कराया पालन, नहीं थे जनसैलाब को कंट्रोल करने के इंतजाम

भोपाल (नप्र)। सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष के लिए पहुंचने वाली लाखों लोगों की भीड़ और कांवड़ यात्रा में उमड़े जन सैलाब को कंट्रोल करने के मामले में सीहोर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने गृह विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन नहीं कराया है। आयोजक और प्रशासन की अदूरदर्शिता के चलते इस साल यहां पहुंचे सात श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है और भीड़ कंट्रोल नहीं होने से ट्रैफिक डायवर्जन और अन्य प्रयास नाकाफी साबित हुए हैं।

एक साल पहले गृह विभाग द्वारा जारी एसओपी में सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के दौरान प्रबंधन और समुचित सुरक्षा पर फोकस करने के लिए पुलिस अधीक्षक, पुलिस आयुक्त नगरीय क्षेत्र भोपाल, इंदौर और सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए थे। गृह सचिव गौरव राजपूत ने 4 जुलाई 2024 को जारी निर्देशों में साफ कहा है कि ऐसे आयोजनों के दौरान अव्यवस्था, भगदड़ और अन्य दुर्घटनाओं की स्थिति रोकने के लिए गाइडलाइन का कड़ाई से पालन कराया जाए।

14 बिन्दुओं की गाइडलाइन में साफ कहा गया है कि आयोजन के पूर्व आयोजकों द्वारा हर 500 व्यक्तियों की भीड़ पर समुचित

सेवादारों का प्रबंध किया जाए। इन सेवादारों के अलावा पुलिस प्रशासन भी अपने बल से भीड़ और भगदड़ रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण करेगा। कुबेरेश्वर धाम में इसकी कमी साफ दिखी है। यहां के मुख्य सेवादार विनय मिश्रा और सहयोगियों के अनुसार उनके पास 140 सेवादार हैं जो लाखों की भीड़ के हिसाब से नाकाफी हैं।

प्रवेश-निकासी के लिए श्रद्धालुओं की संख्या तय होनी चाहिए- बड़े धार्मिक आयोजनों में आने वाली भीड़ को कंट्रोल करने के लिए आने-जाने के रास्तों की व्यवस्था मजबूत रखने के साथ बैरिकेटिंग के लिए भी कहा गया है। साथ ही आमने-सामने से आ रहे लोगों की भीड़ रोकने के लिए भी प्रबंध करने को कहा गया है। एसओपी में यह भी कहा गया है कि संकरे प्रवेश और निकास मार्गों की स्थिति में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या तय कर प्रवेश निकासी कराई जाए, लेकिन कुबेरेश्वर धाम में इस तरह का कोई इंतजाम नहीं है। जिसे जहां से रास्ता मिला चल दिया। इससे अव्यवस्था की स्थिति बनती जा रही है।

गाइडलाइन में यह कहा गया है कि जहां भी कार्यक्रम हों वहां आने-जाने के लिए अलग-अलग मार्ग होना चाहिए और महिला व पुरुष की अलग लाइन होना चाहिए। अगर आने-जाने का एक ही द्वार है तो अस्थायी द्वार बनाकर खतरे को कम करना है। इसका भी कुबेरेश्वर धाम में पालन नहीं हो रहा है।

भीड़ का प्रेशर रिलीज करने इंतजाम नहीं, पार्किंग भी नाकाफी

धार्मिक आयोजन स्थल पर आपात स्थिति में भगदड़ रोकने के लिए आपातकालीन द्वार और प्रेशर रिलीज पाइंट बनाने की बात भी एसओपी में कही गई है लेकिन इसका भी कोई प्रबंध कुबेरेश्वर धाम में नहीं रहा है। गाइडलाइन में कहा गया है कि यहां आयोजन हो वहां पर यातायात प्लान और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था होनी चाहिए। कुबेरेश्वर धाम लाखों लोग लाखों वाहन से पहुंचे हैं लेकिन पार्किंग के इंतजाम न होने से अफरा तफरी मचती रही है। इस मामले में प्रशासन के इंतजाम भी नाकाफी साबित हुए हैं।

उपहार वितरण का समुचित इंतजाम नहीं, अफसर रोक नहीं पाए

एसओपी में यह भी कहा गया है कि उपहार, भोजन, प्रसाद, कम्बल आदि के मुफ्त वितरण के दौरान भगदड़ रोकने के लिए इंतजाम होना चाहिए। अधिक भीड़ होने पर सामग्री के वितरण पर प्रतिबंध लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर की ओर से निर्देश दिए जाने को कहा गया है लेकिन सीहोर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक इस स्थान पर बांटे जा रहे रुद्राक्ष के वितरण को लेकर बन रही अव्यवस्था पर कंट्रोल नहीं कर पाए हैं। एसओपी में साफ कहा गया है कि बड़े आयोजनों में सांप, बम आदि अफवाहों से होने वाली भगदड़ की स्थिति को रोकने के लिए पर्याप्त लाउडस्पीकर, ध्वनि यंत्र होने चाहिए जो यहां की भीड़ के हिसाब से नाकाफी है।